RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः281, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

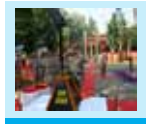

71वीं वाहिनी एसएसबी ने शहीद सुरक्षाकर्मियों को दी श्रद्धांजलि 03

35 वर्षों का कलंक मिटाने सभी लोगों का आगे आना होगाः सुबोध कांत सहाय 04

'लव एंड वॉर' के सेट से लीक हुईं आलिया भट्ट की तस्वीरें 07

भारत-पाक बॉर्डर पर फैक्ट्री पर बमनुमा वस्तु गिराई

● लेबर ने रॉकेट समझ आग बुझाई,सुबह देखा तो होश उड

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में दीपावली की रात मार्बल फैक्ट्री में पैराशूट लगा बमनुमा वस्तु को गिराया गया। यहां लोहे की टीन शेड में जोरदार धमाका हुआ। अंदर काम कर रहा मजदूर भागकर पहुंचा। उसे लगा कि दीपावली का रॉकेट है। उसने फौरन आग बुझा दी। सुबह उठकर

देखा तो चौंक गया। फर्श पर गिरे बम पर 51 डीसी, लिखा था। बमनुमा वस्तु के साथ एक पैराशूट भी था। इसी के बाद उसने मालिक को सूचना दी। घटना भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से करीब डेढ़ सौ किमी दूर फैक्ट्री में दीपावली की रात हुई। फैक्ट्री मालिक ने पुलिस को सूचना दी। टीम तुरंत रीको एरिया स्थित रमेश मार्बल फैक्ट्री पर पहुंची।

अमृतसर से 2 आतंकी गिरफ्तार, रॉकेट लॉन्चर बरामद

● पुलिस का दावा-दोनों पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से जुड़े थे

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर अमृतसर से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर बरामद हुआ है। पुलिस का दावा है कि ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एक ऑपरेटिव के संपर्क में थे, जिसने इन्हें रॉकेट लॉन्चर मुहैया कराया था। इनकी दीवाली पर बड़े हमले योजना थी लेकिन इसके पहले ही पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि दोनों का

संपर्क फिरोजपुर जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की से भी है। विक्की हेरोइन तस्करी में जेल में बंद है। फिलहाल, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां दोनों से पूछताछ की रही है। इनके लोकल नेटवर्क को तलाशा जा रहा है। पता लगाया जा रहा है कि ये कहां और किस वक्त हमला करने की साजिश कर रहे थे। एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि फिरोजपुर जेल में बंद विक्की को प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा। सारी जानकारी गौरव यादव ने दी है।

अपराध के साथ आज पुलिस धारणाओं से भी लड़ रही

● राजनाथ बोले-अब अपराध में डिजिटल चोरियां भी शामिल हो गई हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर मंगलवार सुबह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने खुद गृह मंत्री के रूप में

काम किया है। मुझे पुलिस के कार्यों को करीब से देखने का अवसर मिला है। इसके अलावा, रक्षा मंत्री के रूप में, मुझे सेना की कार्रवाइयों को भी करीब से देखने का अवसर मिला है। उन्होंने आगे कहा- दुश्मन कोई भी हो, चाहे वह सीमा पार से आए या हमारे बीच छिपा हो, भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा आदमी एक ही भावना से भरा है। राजनाथ सिंह ने कहा, सेना और पुलिस के मंच अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन उनका मिशन एक ही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा है।

डिफेंस मिनिस्ट्री चाहती है भारत में ही बने 'स्वदेशी' राफेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना में एक बाधा खड़ी हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना की ओर से इस संबंध में मिले प्रस्ताव को अधूरा कहकर लौटा दिया है। सरकार इसके भारत में निर्माण, इसके स्वदेशीकरण और भारतीय एयर स्पेस उद्योगों के साथ तालमेल को लेकर ज्यादा जानकारी चाहती है, ताकि इसकी खरीद की प्रक्रिया पर आगे कदम बढ़ाए जा सकें। माना जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार आत्मनिर्भरता पर ज्यादा जोर दे रही है और नई रणनीति की वजह से ही सौदे को लेकर ज्यादा संवेदनशील हो गई है। दरअसल, सरकार चाहती है कि अब इस तरह की डिफेंस डील में आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी ध्यान में रखा जाए, न कि सिर्फ खरीदारी पर फोकस रहे। हालांकि, राफेल के 36 लड़ाकू विमानों के मौजूदा बेड़े की वजह से फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट सौदे के लिए भ प्रमुख दावेदार बनी हुई है। लेकिन, भारतीय वायुसेना से जो प्रस्ताव मिला है, उसमें इसके मैन्युफैक्चरिंग को लेकर विस्तृत योजना नहीं है, जैसे कि भारत में इसके निर्माण को लेकर क्या लक्ष्य है या फिर इसमें स्वदेशी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों की कितनी और कब से भागीदारी रहने वाली है। रक्षा मंत्रालय चाहता है कि जिन 114 राफेल मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने की बात हो रही है, उनमें से बड़ी संख्या का निर्माण भारत में ही होना चाहिए और कुछ ही बने-बनाए विमान फ्रांस से आयात होकर आने चाहिए। रक्षा मंत्रालय की इच्छा को देखते हुए संभावना है कि डसॉल्ट एविएशन नए प्रस्ताव लेकर आएगा, जिसमें भारत में इसकी असेंबली से लेकर भागीदारों की सप्लाई चेन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर विस्तृत जानकारी होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार चाहती है कि यह लड़ाकू विमान 75 फीसदी तक स्वदेशी हों, जो कि पहले किसी भी समझौते से कहीं ज्यादा है। भविष्य में राफेल के ज्यादातर हिस्से भारत में ही बनाए जाने की सोच के पीछे रोजगार पैदा करने से लेकर, इस क्षेत्र में एक नए मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करते हुए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उद्योगों की क्षमता को बेहतर करना होगा।

● 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट डील में फंसाया नया पेंच

'विकसित' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर पीएम का रहा जोर

● कहा-आने वाले दिनों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे ● पीएम मोदी बोले-ऑपरेशन सिंदूर में हमने अन्याय का बदला लिया है ● दीवाली पर 'देश के नाम लेटर' में श्री राम से प्रेरणा लेने की बात कही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के नाम अपने पत्र में लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- यह दीपावली अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दूसरी दीपावली है। पीएम ने भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। मोदी ने कहा कि राम हमें धर्म और न्याय के रास्ते पर चलने और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देते हैं। मोदी ने लेटर में हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। मोदी ने देश के कई जिलों, विशेष रूप से दूरदराज के इलाकों में नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद के खात्मे को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस दीपावली पर इन क्षेत्रों में पहली बार दीप जलाए जाएंगे, जो

शांति और विकास का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं और भारत के संविधान में विश्वास जता रहे हैं। यह देश के लिए एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में शुरू हुए अगली पीढ़ी के सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन कम जीएसटी दरें लागू की गईं, जिसके तहत जीएसटी बचत उत्सव के माध्यम से देशवासियों को हजारों करोड़ रुपए की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कई मुश्किलों के बीच भारत स्थिरता,संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले दिनों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

मोदी ने नौसैनिकों के साथ दीवाली मनाई- लेटर जारी करने से पहले मोदी ने सोमवार को गोवा में आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई थी। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी। उन्होंने कहा, हमारा विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का बहुत बड़ा प्रतीक है। आईएनएस विक्रांत ने अभी पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी थी। जिसका नाम ही दुश्मन का चैन छीन ले, वो विक्रांत है। उन्होंने नौसैनिकों से बातचीत की। उनके साथ गाना गाया, मिठाई खिलाई और डिनर किया। यह 12वीं बार है कि पीएम दीवाली पर जवानों के बीच पहुंचे,दीवाली मनाई।

म्यांमार में नगा उग्रवादी समूह के कैंप पर भीषण ड्रोन स्ट्राइक

भारत विरोधी लीडर पी आंग माई की मौत की खबर

नेपीडॉ (एजेंसी)। भारत और म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों के बीच हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। 20 अक्टूबर की रात म्यांमार के अंदर

स्थित नगा उग्रवादी संगठन एनएससीएन के ठिकानों पर एक भीषण ड्रोन हमला हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये ड्रोन स्ट्राइक काफी ज्यादा शक्तिशाली था, जिसमें एक साथ कई ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह हमला म्यांमार के सगाइंग क्षेत्र में किया गया है, जिसमें नगा विद्रोही समूह के सीनियर कमांडर और खुद को मेजर जनरल बताने वाले पी. आंग माई की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है। अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है, लेकिन म्यांमार की मीडिया में शक्तिशाली ड्रोन हमले का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई-प्रिसीजन गाइडेड ड्रोन से कई बम दागे गये, जिससे कमांड पोस्ट और आसपास के आवासीय ढांचे पूरी तरह तबाह हो गए।

एयरफोर्स रैंकिंग में भारत आगे निकला तो चीनी मीडिया बौखलाया

कहा- रैंकिंग कागजों पर नहीं, क्षमताओं के आधार पर होनी चाहिए

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की एयरफोर्स पावर की एक नई रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और रूस हैं, जबकि चीन चौथे

स्थान पर है। इसे लेकर चीन का सरकारी मीडिया बौखला गया है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी मिलिट्री एक्सपर्ट झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक युद्ध क्षमता ही किसी सेना की असली ताकत दिखाती है, कागज पर दिखाया गया आंकड़ा नहीं। ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि भारतीय वायुसेना अपने विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और बाकी देशों से खरीदती है। इससे पता चलता है कि भारत की विदेश और सुरक्षा नीतियां कितनी जटिल हैं।

देश में 10 जगहों में लगी आग,खुशियां धुआं-धुआं

● दीवाली पर आगजनी,कई लोगों का निकल गया 'दीवाला'

मुंबई में आग लगने से 4 की मौत,घर में पसर गया मातम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में सोमवार को दीवाली मनाई गई। इस दौरान देशभर में पटाखों और ज्वलनशील वस्तुओं के कारण कई आग की घटनाएं सामने आईं। इनमें कुछ स्थानों पर जान-माल का भी नुकसान हुआ। मुंबई के वाशी क्षेत्र के राहेजा रेजीडेंसी में आधी रात के करीब आग लग गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हुई। वहीं दिल्ली में भी आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। सोमवार सुबह 11.30 बजे तक दिल्ली फायर सर्विस को 170 से अधिक आग लगने की घटनाओं संबंधित फोन कॉल्स आए। अधिकारियों के

अनुसार, जैसे-जैसे रिपोर्टें आती रहेंगी, घटनाओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। सोमवार शाम नरेला, आउटर दिल्ली के डीएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में जूता निर्माण फैक्टरी में भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए मौके पर 16 फायर टेंडर भेजे गए। आग की वजह से फैक्टरी में काले धुएं का गुबार फैल गया, जिसने पूरी बिल्डिंग को घेर लिया। वहीं नरेला के भोरगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 में गत्ते की निर्माण फैक्टरी में भी आग लगी।

● **हैदराबाद में आग लगने से 47 लोग घायल-** हैदराबाद में दीपावली पर पटाखों और घरेलू आगजनी की घटनाओं के कारण 47 लोग घायल हुए, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा शहर में चार प्रमुख आग की घटनाएं भी सामने आईं। साम्भाजीनगर में पटाखों के कारण होने वाले शोर और आग की घटनाओं की जांच महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की। कुछ पटाखों में शोर स्तर और रासायनिक तत्व अधिक पाए गए, जबकि कुछ ने मानक सीमा से अधिक प्रदूषण फैलाया। पुणे शहर में भी दीपावली के दौरान आग की घटनाएं हुईं। इनमें संपत्ति का नुकसान हुआ, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई। अहमदाबाद में दीपावली पर पटाखों और ज्वलनशील पदार्थों के कारण कुछ आग की घटनाएं हुईं। कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई गंभीर हताहत की खबर नहीं आई। कोलकाता में दीपावली के दौरान कुछ जगहों पर आग लगी। इन घटनाओं में संपत्ति का नुकसान हुआ, लेकिन लोगों की जान की सुरक्षा में कोई बड़ा खतरा नहीं रहा। बेंगलुरु में दीपावली पर पटाखों और ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग की घटनाएं हुईं।

पंजाब के पूर्व डीजीपी पर बेटे की हत्या की एफआईआर

● मंत्री रहीं मां पर भी केस; बेटे का पुराना वीडियो वायरल ● बेटे ने वीडियो में लगाया आरोप,पत्नी मेरी, शादी डैड से

पंचकूला (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पत्नी व पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना पर हरियाणा के पंचकूला में बेटे की हत्या की एफआईआर दर्ज हुई है। मुस्तफा-रजिया के साथ उनकी बेटी और पुत्रवधू को भी आरोपी बनाया गया है। मुस्तफा के बेटे अकील (35) की 16 अक्टूबर की देर रात पंचकूला में मौत हुई थी। तब परिवार ने कहा था कि दवाओं की ओवरडोज से मौत हुई। लेकिन, अकील की मौत के बाद उसका 27 अगस्त का पुराना वीडियो सामने आ गया। इसमें अकील ने कहा था कि उसे पूर्व डीजीपी पिता के अपनी पत्नी से अवैध संबंध होने का पता चल गया। वह पत्नी मेरी थी लेकिन शादी जैसे डैड से की हो। इसके बाद से परिवार के

लोग उसकी हत्या की साजिश कर रहे हैं। इसी को आधार बनाकर अकील की पहचान वाले शमशुद्दीन ने पंचकूला पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी थी। जिसमें वीडियो का हवाला देते हुए मामले की जांच की मांग की गई थी। अकील का एक बेटा और एक बेटी है। अकील पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कहा कि एसपी रैंक के अधिकारी की अगुआई वाली टीएम गठित की गई है।

अकील का परिवार से विवाद चल रहा था- मालेरकोटला के मॉडल टाउन में रहने वाले शमशुद्दीन ने 17 अक्टूबर को पंचकूला के पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी थी। जिसमें उन्होंने पूर्व डीजीपी मुस्तफा और उनकी पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना के बेटे अकील की संदिग्ध मौत की जांच की मांग की थी। शमशुद्दीन ने कहा था कि पंचकूला के मनसा देवी मंदिर के पास सेक्टर 4 में रहने वाले अकील और उसके परिवार के बीच विवाद चल रहा था। शमशुद्दीन ने कहा- 27 अगस्त को अकील ने भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। अकील ने कहा था कि उसे पिता मुस्तफा और अपनी पत्नी के बीच अवैध संबंधों का पता चल गया।

● **अकील की अचानक मौत हुई, जांच जरूरी-** शमशुद्दीन ने आगे कहा- इसके बाद अचानक उसकी मौत हो गई। अकील के वीडियो में कही बातों और उसकी मौत की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। इसके बाद पुलिस ने सोमवार, 20 अक्टूबर की देर रात मनसा देवी कांप्लेक्स पुलिस थाने में मृतक अकील के पिता पूर्व डीजीपी मुस्तफा, पूर्व मंत्री मां रजिया सुल्ताना, बहन और पत्नी के खिलाफ धारा 103(1) और 61 के तहत केस दर्ज कर लिया। अकील ने कहा था- मैंने डेढ़ साल पहले अपने डैड और वाइफ का अफेयर डिस्कवर किया। शादी के एक साल बाद 2018 में मैंने इन्हें ड्रेसिंग रूम के पास पकड़ लिया।

संक्षिप्त समाचार

युवक की गोली मारकर हत्या मामले में एक गिरफ्तार, 6 साल पुरानी आपसी रंजिश का लिया बदला

पटना। पटना में दीपावली को लेकर सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक युवक की बीच सड़क गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान मृत्युंजय कुमार (25) के रूप में हुई है। बदमाशों ने मृत्युंजय को तीन गोली मारी है। युवक गोली लगने के बाद मदद की गुहार लगाते बीच सड़क पर गिरते पड़ते भागने की कोशिश में रहा। लेकिन अपराधियों ने घेर कर उसे गोली मार दी। युवक खेमनीचक का रहने वाला था। रविवार की रात यानी छोटी दिवाली पर कदमकुआं इलाके के मैला टंकी के पास दोस्तों से मिलने आया था। वारदात कदमकुआं थाना इलाके के मैला टंकी के पास की है। बदमाशों ने कदमकुआं थाना से महज 150 मीटर पर वारदात को अंजाम दिया है। बगल में चेकपोस्ट बनाया गया है। हत्या रात लगभग 11:40 बजे अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस के सामने पिता ध्रुव कुमार (65) ने अपना बयान दर्ज कराया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक मृत्युंजय के पिता ध्रुव कुमार (कारोबारी) ने बताया कि, बेटा मेरा दिल्ली से आने के बाद पिछले 6 माह से मेरे पास रह रहा था। टैली सीख रहा था। मेरा पूरा परिवार फिलहाल खेमनीचक में रहता है। कल देर शाम 8:30 बजे घर से निकलकर अपने दोस्तों से मिलने प्रेमचंद्र गोलंबर से सटे मैला टंकी के पास गया था। उसके साथ उसके दो दोस्त अक्षय और सन्नी उर्फ तोता मौजूद थे। मैला टंकी के पास कॉर्नर पर एक बाइक पर अक्षय और हर्ष थे। हर्ष पीछे की सीट पर बैठा था और सन्नी उर्फ तोता पास में खड़ा था।

माधोपुर के ग्रामीणों ने किया वोट बहिष्कार का ऐलान

'सड़क नहीं तो वोट नहीं' लिया निर्णय, कहा- 10 साल में स्थिति और भी बदतर हुए

पटना। पटना के फतुहा विधानसभा क्षेत्र की महुली पंचायत स्थित माधोपुर गांव के ग्रामीणों ने इस बार विधानसभा चुनाव में वोट बहिष्कार का ऐलान किया है। गांव की बदहाल सड़कों-विकास कार्यों की अनदेखी से नाराज पुरुष और महिलाओं ने एकजुट होकर स्थानीय विधायक के खिलाफ नारेबाजी भी की है। लगभग 3000 की आबादी वाले इस गांव के लोगों का कहना है कि जब तक उनकी बुनियादी समस्या, जर्जर सड़क का समाधान नहीं होता, वे वोट नहीं देंगे। गांव की एक महिला किरण देवी ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों के समय से ही गांव की सड़कों की यही स्थिति है। पिछले 10 साल में तो हालत और भी बदतर हो गई है। सड़क पर सिर्फ प्लास्टिक जमा रहता है, पैदल चलना भी मुश्किल है। बारिश में तो पानी घरों में घुस जाता है। हम कई बार विधायक और स्थानीय प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का सामूहिक निर्णय है कि 'सड़क नहीं तो वोट नहीं'। ग्रामीण सतीश कुमार ने कहा कि गांव में किसी भी तरह का कोई विकास धरातल पर नजर नहीं आ रहा है। विधायक जी के विकास का बोर्ड तो लगा दिया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। यहां से निकलना एक बड़ी चुनौती है, खासकर बीमार या बुजुर्ग लोगों के लिए। वहीं, राजीव कुमार पासवान ने विधायक पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां के विधायक डॉ. रामानंद यादव लगभग 15 वर्षों से हैं, लेकिन आज तक उन्होंने कोई विकास का काम नहीं किया और न ही जीतने के बाद जनता से मिलने आते हैं। ऐसे में हम लोगों ने इस बार मन बना लिया है कि हम वोट का बहिष्कार करेंगे। जर्जर सड़क की वजह से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बच्चे ने रॉकेट छोड़ा, स्कूल में लगी आग, पटाखे की चिंगारी से लाखों की कॉपी-किताब, बेंच जले

पटना। पटना सिटी के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र स्थित एक निजी विद्यालय में रविवार देर रात आग लग गई। यह आग दीपावली के पटाखे की चिंगारी से लगी, जिससे लाखों रुपए के कॉपी, किताबें, बेंच और स्टेशनरी जलकर राख हो गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार, दीपावली पर छोड़ा गया एक रॉकेट विद्यालय के एक कमरे में जा गिरा। इससे आग तेजी से भड़क उठी और उसकी लपटें फैलने लगीं। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने सुल्तानगंज थाना और अग्निशमन दस्ते को सूचित किया। तत्काल कार्रवाई करते हुए अग्निशमन दस्ते की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। उन्होंने सावधानी के तौर पर अपने घरों से सामान और गैस सिलेंडर सुरक्षित स्थानों पर हटाना शुरू कर दिया था। फायर ऑफिसर गयानंद सिंह ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दो दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाई गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, लगभग 1 लाख रुपये की स्टेशनरी और किताबें जलकर नष्ट हो गई हैं, हालांकि नुकसान का सटीक आंकड़ा अभी नहीं मिला है। इस मामले को लेकर पटना सिटी अग्निशमन के पदाधिकारी ग्यानंद सिंह ने बताया कि मौके पर पहुंची अग्नि दस्ते की गाड़ी ने तुरंत आग पर काबू पा लिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक कमरे में रखे गए स्कूल के कागजात और टेबल कुर्सी जलकर राख हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि आसपास के लोगों के काफी सहयोग से आग पर अग्नि शमन द्वारा तुरंत काबू पा लिया गया। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि छोटी दिवाली की देर रात कुछ बच्चे मोहल्ले में पटाखा छोड़ रहे थे। इसी क्रम में एक बच्चे के द्वारा रॉकेट छोड़ा गया। वह रॉकेट सीधे विद्यालय के एक कमरे में जाकर घुस गया और कमरे में रखे गए कॉपी किताब स्टेशनरी में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगता ही आसपास के लोग किसी तरह अपने घर के छतों से पानी फेंक कर आग को बुझाने का प्रयास करने लगे। धीरे-धीरे आज की लपेट तेज होती गई। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना अग्नि दस्ते को दी। लोगों का यह मानना है कि अगर अग्नि दस्ते की गाड़ी समय से नहीं पहुंचती तो आग से आसपास के घरों को भी काफी नुकसान हो सकता था।

युवक का अपहरण,पुलिस ने किया रिकवर, 10 लाख की मांगी फिरौती, पत्नी को भेजा था धमकी भरा वीडियो

हाजीपुर। वैशाली में एक युवक के अपहरण और फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत परविंदर पासवान को 89 किलोमीटर दूर से सकुशल बरामद कर लिया है। अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित के सिर पर बंदूक रखकर मारपीट करते हुए उसकी पत्नी को एक वीडियो भी भेजा था। यह घटना 18 अक्टूबर, 2025 को हुई। वैशाली के सहदेई थाना अंतर्गत शाहपुर पहाड़पुर तोई निवासी समुन्द्री देवी ने 19 अक्टूबर को पुलिस को बताया कि, उनके पति प्रवीन्द्र पासवान सुबह करीब 8 बजे कॉपी मशीन इंस्टॉलेशन के लिए घर से निकले थे। वे पहले पातेपुर सुकली गए और फिर छपरा जाने की बात कही थी। शाम को प्रवीन्द्र पासवान ने अपनी पत्नी को फोन किया, लेकिन उसके बाद उनका फोन नहीं आया। रात 8:52 बजे हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि उनकी जान खतरे में है और उन्हें तीन लाख रुपये की आवश्यकता है। इसके बाद रात 9:17 बजे एक व्हाट्सएप कॉल पर भी फिरौती की मांग दोहराई गई। रात 9:21 बजे समुन्द्री देवी को एक वीडियो प्राप्त हुआ। इस वीडियो में प्रवीन्द्र पासवान के सिर पर बंदूक रखकर उन्हें पीटा जा रहा था और गाली दी जा रही थी। वीडियो में सुबह तक 3 लाख रुपये देने की मांग की गई थी। इसके तुरंत बाद एक और व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

ऑटो लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ड्राइवर के साथ मारपीट भी की थी, पुलिस ने ऑटो के साथ नगद भी किया बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थाना की पुलिस ने सोमवार की रात हुए ऑटो लूटकांड का खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने 3 लुटेरों को गिरफ्तार किया है। लूट के ऑटो के साथ 4 मोबाइल फोन और 700 रुपए नगद भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार लुटेरों की पहचान राकेश कुमार, छोटू कुमार उर्फ शिवरंजन कुमार और पवन कुमार के रूप में हुई है। ये सभी अपराधी पटना के नौबतपुर इलाके के रहने वाले हैं। पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि बिहटा थाना की पुलिस को वादी सद्दाम ने सूचना दी थी। सद्दाम ने बताया कि आरा रेलवे स्टेशन से बिहटा के परेव जाने के लिए 5 सौ रुपए में बदमाशों ने ऑटो बुक किया था। बिहटा थाना क्षेत्र के छिलका दोघरा बांध के पास पहुंचते ही ऑटो सवार 4 अज्ञात अपराधियों ने सद्दाम खान के साथ मारपीट की। उसे झाड़ियों में फेंका और ऑटो लेकर चले गए। घटना छिलका दोघरा बांध के पास की है।

एक की गिरफ्तारी के लिए चल रही छापेमारी: सिटी एसपी ने कहा कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एक टीम का गठन किया। महज 3 घंटे में बिहटा थानाक्षेत्र के आनंदपुर मोड़ के पास वाहन चेकिंग के दौरान ऑटो बरामद कर लिया गया। सवार तीन अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में एक अन्य अपराधी अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार राकेश कुमार के खिलाफ पटना के मसौढ़ी थाने में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें वह फरार चल रहा था।

जुए के अड्डे पर छापेमारी: वहीं, दूसरा मामला बिहटा थानाक्षेत्र के मूसेपुर गांव का है। जहां पुलिस ने देर रात जुए के अड्डे पर छापेमारी की और 4 जुआरी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 21,300 नगद, 6 मोबाइल फोन, 2 बाइक और 2 प्लेइंग कार्ड बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान उमाशंकर राय उर्फ छोटू, पप्पू महरा, संतोष कुमार और नीतीश कुमार उर्फ कुक्कू है। सभी लोग बिहटा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव के रहने वाले हैं।

दानापुर में गृहभेदन मामले में 4 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- 2 चोरी के जेवरात खरीदने वाले भी पकड़े गए, सीसीटीवी के जरिए पुलिस ने दबोचा

दानापुर की रूपसपुर पुलिस ने गृहभेदन के एक मामले में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो चोर और चोरी के जेवरात खरीदने वाले दो लोग शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विकास कुमार, विक्की कुमार, राहुल सोनी और आलोक राज के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी नवनीत विहार कॉलोनी में हुई चोरी के संबंध में की गई है।

सोने के जेवर और कैश चोरी हुए थे: पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि रूपसपुर थाना क्षेत्र के रूकनपुरा स्थित नवनीत विहार कॉलोनी में चोरों ने एक घर में सेंधमारी की थी। गृह स्वामी रौशन कुमार ने इस संबंध में थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने सोने के जेवरात और नकदी चोरी होने की जानकारी दी थी। शिकायत के आधार पर रूपसपुर थाना में कांड संख्या 618/25 दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया कि उन्होंने चोरी के जेवरात बेच दिए थे।

चोरी के जेवर खरीदने वाले 2 गिरफ्तार: इन चोरों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर चोरी के जेवरात खरीदने वाले दो अन्य अभियुक्तों राहुल सोनी और आलोक राज को भी गिरफ्तार किया। खरीदारों ने बताया कि उन्होंने खरीदे गए जेवरातों को गला दिया है। पुलिस चोरी के सामानों की बरामदगी के लिए प्रयास कर रही है।

पटना के मरीन ड्राइव पर बाइक सवार को रौंदा

एजेंसी, पटना

- 15 मिनट सड़क पर तड़पते रहे नशे में धुत्त 2 शख्स, पुलिस ने दोनों को पहुंचाया अस्पताल

पटना के पीरबहोर इलाके के कृष्णा घाट के पास मंगलवार सुबह मरीन ड्राइव पर सड़क हादसा हो गया। 2 घायलों को पुलिस की मदद से पीएमसीएच पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज दारी है। हादसे के बाद दोनों सड़क पर ही पड़े रहे। इसी बीच वहां से गुजर रहे राहगीरों ने दोनों को तड़पते देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों नशे में थे। जिस गाड़ी से ठोकर लगी उसके बारे में सीसीटीवी फुटेज से पता लगाया जा रहा है। घायल की पहचान अभी नहीं हुई है।

दोनों घायल अभी बोलने की स्थिति में नहीं हैं: बताया जा रहा कि पटना सिटी की ओर से दोनों आ रहे थे। इसी बीच पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी ने दोनों को ठोकर मार दी। हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। दोनों तकरीबन 15 मिनट तक वहीं पड़े थे। देखते-देखते भीड़ जमा हो गई। लोगों ने दोनों से नाम पता पूछने की कोशिश की, लेकिन नशे में होने के कारण कुछ नहीं बता पा रहे थे। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। दोनों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। फिलहाल बोलने की स्थिति में नहीं हैं।

पीसीसी सड़क ढलाई के बाद आई दरारें, ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

एजेंसी, पटना

- बालू में मिट्टी की मिलावट के आरोप

पटना के बाढ़ प्रखंड के चलिसकुरवा गांव में पीसीसी सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया है। उनका आरोप है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसके कारण ढलाई के तुरंत बाद ही सड़क में दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार ने पुराने पीसीसी पर ही नई ढलाई कर दी है। सड़क की मोटाई भी एक समान नहीं है। यह कहीं चार इंच, कहीं पांच इंच तो कहीं इससे भी कम है। सड़क में कई स्थानों पर स्पष्ट दरारें दिख रही हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस 1.300 किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क के लिए 70.41 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है। ग्रामीण ललन प्रसाद ने बताया कि बालू में मिट्टी की मिलावट अधिक है। उन्होंने कहा कि ढलाई के तुरंत बाद से ही सड़क में दरारें आने लगती हैं और मिक्सचर मशीन से मिट्टी के बड़े टुकड़े निकलते हैं। उनकी शिकायत के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने कोई सुधार नहीं किया। उनके अनुसार, पीसीसी की मोटाई केवल साढ़े तीन से चार इंच रखी गई है।

भ्रष्टाचार का लगाया आरोप: एक अन्य ग्रामीण विनय प्रसाद ने कहा कि सड़क की ढलाई के एक-दो घंटे के भीतर ही दरारें पड़नी शुरू हो जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी जांच के लिए ग्रामीण कार्य विभाग के जेई मौके पर पहुंचे थे।

संवेदक को ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं: ग्रामीण कार्य विभाग की जेई तस्लीम ने इस संबंध में बताया कि कॉन्क्रीट की सतह पर पानी डालकर उसे मजबूत और स्थायी बनाने की प्रक्रिया ठीक से न होने के कारण हल्का क्रैक आ गया है। उन्होंने कहा कि इससे कोई बड़ी समस्या नहीं है और संवेदक को इन दरारों को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि विकास योजनाओं में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जेल में राजद प्रत्याशी रीतलाल, जनसंपर्क कर रहे छोटे भाई, दानापुर में 'बाहरी बनाम स्थानीय' का मुद्दा उठाया

एजेंसी, पटना

पिंकू यादव ने कहा- बिहार में लूट-भ्रष्टाचार चरम पर है

दानापुर विधानसभा सीट पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रत्याशी रीतलाल राय और बीजेपी के प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव आमने-सामने हैं। रीतलाल अभी भागलपुर जेल में बंद हैं, पर चुनावी मैदान में वे उतर चुके हैं, लेकिन प्रचार का काम उनके छोटे भाई पिंकू यादव कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। पिंकू यादव ने कहा कि पूरे बिहार में लूट, भ्रष्टाचार और अफसरशाही चरम पर है। थाना से लेकर प्रखंड कार्यालय तक जनता को परेशान होना पड़ रहा है।

युवाओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बेरोजगारी से तंग आ चुके नौजवानों को तेजस्वी यादव की 'हर घर नौकरी' योजना में नई उम्मीद दिख रही है और यही वजह है कि आरजेडी की लहर पूरे दानापुर में साफ नजर आ रही है। चुनाव सिर्फ दलों का नहीं, बल्कि जनता और व्यवस्था के बीच की सीधी टक्कर है, जहां लोग बदलाव को वोट देने जा रहे हैं।

गांवों को पटना से काटकर छपरा से जोड़ दिया: पिंकू यादव ने आरोप लगाया कि रामकृपाल यादव के कार्यकाल में दियारा के पानापुर, मानस समेत दर्जनों गांवों को पटना जिला से काटकर छपरा में जोड़ दिया गया। जिससे गांव वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी घटना-दुर्घटना की स्थिति में उन्हें 4-5 किलोमीटर दूर दानापुर नहीं, बल्कि 50 किलोमीटर दूर छपरा जाना पड़ता है। ग्रामीणों में इस फैसले को लेकर भारी नाराजगी है। पिंकू यादव ने कहा कि रामकृपाल को इस फैसले का खामियाजा भुगतना पड़ेगा और दियारा की जनता इस बार अपने वोट से जवाब देगी।

6 पंचायतों में वाहन रैली निकाली: जमानत पर बाहर आए पिंकू यादव ने मंगलवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ दानापुर से दियारा के 6 पंचायतों में वाहन रैली और सघन जनसंपर्क किया था। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'लालू यादव जिंदाबाद' और 'रीतलाल भैया जिंदाबाद' के नारे लगाए। पिंकू यादव ने सभी पंचायतों के गांवों में घूम-घूम कर बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और राजद को वोट देने की अपील की।

जनसंपर्क अभियान की शुरुआत दानापुर दियारा के पानापुर नवदीयरी मानस से हुई और यह कैदरपुरी, कासिमयक, छोटा हरशाम चक, बालखण्डी टोला, विशुनपुर काफरचक, हरसामचक, हेतनपुर, गंगहारा, फुटानी बाजार, शेकरपुर, पतलापुर माधोपुर, बड़ा कासिमचक और छोटा कासिमचक गांवों तक चला। पिंकू यादव ने दावा किया कि इस बार बिहार की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में नई सरकार बनना तय है। इस दौरान दियारा क्षेत्र में 'लोकल वर्सेज बाहरी' (स्थानीय बनाम बाहरी) के मुद्दे को चुनावी माहौल में जनता के बीच भुनाने की कोशिश की गई।

पटना में फिर से 900 नशीली सुई बरामद

एजेंसी, पटना

पटना में नशीली सुई बेचने वाला एक बड़ा गिरोह काम कर रहा है। एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार गर्दनीबाग और कंकड़बाग इलाके से नशीली सुई बरामद की गई है। पटना सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि गर्दनीबाग थाने को सूचना मिली कि धारीचक, अनीसाबाद स्थित एस.एस. हॉस्पिटल के सामने स्थित एक मकान में अवैध नशीले इंजेक्शन का कारोबार चल रहा है। मकान में नशीली सुई स्टॉक की गई है। इसके बाद ड्रग की मौजूदगी में उक्त लोकेशन पर छापेमारी की गई। वहां से सागर कुमार नाम के शख्स को 400 सुई के साथ पकड़ा गया। इससे जब पूछताछ हुई तो उसने बताया कि कंकड़बाग झोपड़पट्टी के रहने वाले शत्रुघ्न रजक और अन्य नशीली सुई का कारोबार कर रहे हैं। फिर वहां छापेमारी की गई तो साईं हॉस्पिटल से सटे झोपड़पट्टी से 500 नशीली सुई, 36000 रुपए कैश, 10 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। फिलहाल इनसे पूछताछ के आधार पर एक बड़े नेटवर्क को खंगालने की कोशिश की जा रही है। जब्त मोबाइल फोन से भी कुछ संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली है।

हाल ही में इसी झोपड़पट्टी के गणेश नाम के शख्स के पास से 100 नशीली सुई मिली थी। गणेश ने पूछताछ में बताया कि पटना सिटी का रहने वाला ब्रजेश उसे नशीली सुई और प्रतिबंधित दवा सप्लाई करता है। इसके बाद ब्रजेश के ठिकाने पर जब छापेमारी की गई तो वहां से 700 सुई, 438000 रुपए मिले। उससे जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि इस कारोबार में नालंदा ओंगारी का रहने वाला राहुल भी शामिल है। जो फिलहाल पीसी कॉलोनी में रहता है। वहीं, जब इसकी निशानदेही पर कार्रवाई की गई तो राहुल के दो गोदाम मिले, एक पटना पीसी कॉलोनी और दूसरा बजरंगपुरी में।

बिहार में दीपावली पर 750 करोड़ के पटाखे फूटे

एजेंसी, पटना

575 करोड़ की मिठाई खाई गई, दीए-मूर्तियों पर 230 करोड़ खर्च, 3000 करोड़ का कारोबार

बिहार में दीपावली धूमधाम से मनाई गई। जमकर आतिशबाजी हुई। बिल्डिंगस रंग बिरंगी लाइट्स की रोशनी से जगमगा उठीं। बिहार सरकार की हाउस होल्ड रिपोर्ट के अनुसार 2.80 करोड़ घर हैं। इनमें करीब 15 से 17 प्रतिशत मुस्लिमों के घर हैं। इस हिसाब से करीब 2.30 करोड़ हिंदू घरों में दीपावली मनाई गई। हालांकि, कई कारोबार में मुस्लिम परिवार भी लगे हुए हैं। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अनुसार, पूरे बिहार में दीपावली पर करीब 2200 से तीन हजार करोड़ कारोबार होने की उम्मीद है। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अनुसार इस बार वोकल फॉर लोकल पर लोगों का फोकस है। लोगों ने चाइनीज झालर की बजाय, देसी लाइट और मिट्टी के दीयों की ज्यादा खरीदी की। इसके अलावा मूर्तियों, मिठाई से लेकर झालरों, पटाखों और कीमती उपहारों पर जमकर खर्च हुआ।

दीपक पर 115 करोड़ का खर्च: व्यापार एसोसिएशन के अनुसार 2.30 करोड़ परिवारों में औसतन 50 रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इनमें दीये, कैंडल, बाती, तेल सब शामिल हैं। इतने परिवारों पर करीब 115 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं गणेश लक्ष्मी की मूर्ति की बात करें तो औसतन 50 रुपए की मूर्ति का जोड़ा बिका। लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्तियों की स्थापना हर घर में हुई। इस पर लगभग 115 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

गणेश लक्ष्मी की मूर्ति की भारी मांग: पटना में गणेश लक्ष्मी की मूर्ति बेचने वाले भोला प्रसाद ने कहा कि 'दिवाली में मार्केट अच्छा रहा है। आम दिनों में मैं पेंट बेचता हूं, मगर दिवाली के समय गणेश लक्ष्मी की मूर्ति का दुकान लगाता हूं। प्रॉफिट काफी अच्छा रहता है, इसलिए हर साल धूप में खड़े होकर मूर्तियां बेचते हैं। इस साल भी अच्छा मुनाफा हो गया है।' पटना वुमेंस कॉलेज के पास लगे मार्केट में दीया बेचने वाली गोपाल कुमार ने कहा कि, 'दिवाली के समय मैं हाजीपुर से दीया खरीदकर पटना बेचने के लिए आता हूं। सुबह 4 बजे तक लोग आकर खरीदारी करते हैं। हालांकि, इस साल से पिछले साल मार्केट ज्यादा बेहतर था, मगर मिला-जुलाकर इस बार भी सब ठीक रहा।'

मिठाई और पटाखे पर एक हजार करोड़ का खर्च: 2.3 करोड़ में से लगभग 1.5 करोड़ घरों ने पटाखों पर खर्च किया। 500 रुपए प्रति घर के औसत से, इस दिवाली बिहार में 750 करोड़ रुपए के पटाखे फोड़े गए। दीपावली पर घरों में सबसे बड़ा खर्च इसी का होता है। वहीं, मिठाई पर करीब 575 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। औसतन हर घर में अगर 250 रुपए की मिठाई भी आई तो करीब इतना खर्च होगा। बोरिंग रोड में पटाखे की दुकान लगाने वाले अभिषेक कुमार अमृत ने कहा कि, 'इस बार मार्केट में काफी अच्छी बिक्री हुई है, काफी चहल पहल रहा है। पटाखे की दुकान में अच्छा प्रॉफिट है। अगर 2 लाख रुपए की पूंजी लगा रहे हैं, तो 5 लाख रुपए का फायदा मिल रहा है। मैंने दिवाली के समय पटाखे की दुकान लगाई है। ऐसे मेरा खुद का रांची में बिजनेस है।' पारंपरिक दीयों के साथ-साथ बिजली की झालरों (LED Lights) का चलन भी जोरों पर रहा। 1.5 करोड़ घरों ने औसतन 100 रुपए की झालरें खरीदीं, जिससे बाजार में 150 करोड़ रुपए खर्च किए गए। चांदनी मार्केट में लाइट बेचने वाले रोहित झुनझुनवाला ने कहा कि, 'इस बार मार्केट काफी अच्छा रहा है। लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। उनके मन में काफी उत्साह दिख रहा है। लोग लड़ी वाले लाइट ज्यादा पसंद कर रहे हैं। दिवाली के समय 3 दिन का सेल आम दिनों के सेल के बराबर 100% होती है। इसलिए हर साल दिवाली का इंतजार रहता है।' घरौंदे की दुकान लगाने वाले बैजनाथ शर्मा ने कहा कि 'इन तीन दोनों में मार्केट काफी अच्छा रहा। मैं कारपेंटरी का काम करता हूं मगर दिवाली के समय खुद घरौंदा बनाकर बेचता हूं। इसके लिए पूरा परिवार 2 महीने पहले से घरौंदा बनाने की तैयारी शुरू कर देता है। इस तीन दिन में अच्छा मुनाफा हो जाता है।' दिवाली के समय फूलों की काफी डिमांड रहती है। GPO गोलंबर के पास आम दिनों में फूलों की मंडी लगती है। मगर दिवाली में स्टेशन से लेकर R ब्लॉक तक करीब 1 किलोमीटर तक फूलों की दुकान लगी थी।

संक्षिप्त समाचार

दो विधानसभा क्षेत्रों में प्रमुख प्रत्याशियों के नामांकन रद्द

- सुगौली में महागठबंधन उम्मीदवार शशिभूषण सिंह का नामांकन रद्द
- नरकटिया में एआईएमआईएम प्रत्याशी डॉ. मोहम्मद शमीमुल हक भी बाहर

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधान सभा चुनाव 2025 के तहत पूर्वी चंपारण जिले में मंगलवार को नामांकन पत्रों की जाँच के दौरान दो प्रमुख प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हो गया। सूत्रों के अनुसार, सुगौली विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के उम्मीदवार शशिभूषण सिंह और निर्दलीय प्रत्याशी ओमप्रकाश चौधरी का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया है। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों में तकनीकी एवं दस्तावेजी त्रुटियाँ पाई गईं, जिनके कारण यह कार्रवाई की गई। वहीं, नरकटिया विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) के प्रत्याशी डॉ. मोहम्मद शमीमुल हक का नामांकन भी अस्वीकृत कर दिया गया। बताया जा रहा है कि आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति न होने के कारण उनका नामांकन विधिक रूप से अमान्य पाया गया। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, जाँच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई। जिन प्रत्याशियों के नामांकन पत्र अस्वीकृत हुए हैं, उन्हें नियमों के तहत पुनर्विचार अथवा नाम वापसी की सामान्य समय-सीमा तक का अवसर रहेगा। नामांकन पत्रों की समीक्षा के बाद अब इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मान्य प्रत्याशियों की अंतिम सूची 23 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, ससुराल वाले फरार

- तुरकौलिया के शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत में घटी घटना, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम @ तुरकौलिया : स्थानीय थाना क्षेत्र के शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत स्थित कसबा टोला में मंगलवार को एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान कसबा टोला निवासी स्वर्ण व्यवसायी मनीष कुमार की 25 वर्षीय पत्नी सलोनी कुमारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरकौलिया पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। जानकारी के अनुसार, सलोनी की शादी फरवरी 2023 में मनीष कुमार के साथ हुई थी। मृतका का एक डेढ़ वर्षीय पुत्र भी है। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने सलोनी के नैहर वालों को सूचना दी कि उनकी पुत्री की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही परिजन ससुराल पहुंचे तो देखा कि सलोनी मृत पड़ी है, जबकि घर के सभी सदस्य फरार हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मौत के कारण संदिग्ध हैं और मामला आत्महत्या या हत्या दोनों में से कोई भी हो सकता है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। घटना की पुष्टि करते हुए डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। उन्होंने बताया कि अगर मृतका के परिजनों द्वारा आवेदन दिया जाता है, तो उसके आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ससुराल पक्ष के लोगों की तलाश में जुटी हुई है और घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

पर्यावरण प्रेमी ने वृक्षों के साथ मनाया दीपोत्सव

5001 दिए जलाकर दिवाली मनाते लोग

बीएनएम @ बगहा: बगहा अनुमंडल अंतर्गत बगहा दो प्रखंड के बरवल - पिपरा स्थित तिरहुत गंडक नहर के समीप आईपीएस विकास वैभव चौराहें पर दीपावली की शाम पर्यावरण प्रेमी गजेन्द्र यादव के साथ ही सैकड़ों की संख्या में सशस्त्र सीमा बल 21 वीं वाहिनी के अधिकारियों, बल कर्मियों और समाजसेवियों सहित ग्रामीणों ने वर्षों से स्थापित परंपरा के अनुसार वृक्षों के साथ दीपावली मनाया। पर्यावरण प्रेमी के साथ स्थानीय लोग और बच्चें भी अपने अपने घरों से दीप प्रज्वलित कर लाये, रंगोली बना कर आईपीएस विकास वैभव चौराहे को जगमग ज्योतिमर्य ऐसा अनोखा दृश्य बना दिया था, जो अंधकार को मिटा कर आसमान से असंख्य तारे धरती पर उतर आये हो। गौरतलब हो कि आईपीएस विकास वैभव चौराहें के अगल बगल के गाँवों में यह परम्परा लोक मान्यता बन गई है कि दीपावली की पूर्व संध्या पर वृक्षों के आगंन में पहले दीप मालिका सजाकर ही दीपावली के दिन हर घर के आगंन में दीप जलाई जाती है। इसके शुभ परिणाम से लोगों में प्रत्येक वर्ष उत्साह और उमंग उत्तरोत्तर बढ़ने से पर्यावरण के प्रति लोगों के हृदय में आत्मीयता के स्नेहिल भाव के संचार से पर्यावरण की सुरक्षा जन -जन का संकल्प बनता जा रहा है, जो अभिनंदनीय है। पर्यावरण प्रेमी गजेन्द्र यादव ने बताया कि वृक्ष असीम दयालुता और परोपकार का एक अनोखा जीव हैं, जो अपने पोषण के लिए कोई मांग नहीं करते और अपने जीवन की उपज उदारतापूर्वक प्रदान करते हैं। यह सभी प्राणियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं, यहाँ तक कि इन्हे नष्ट करने वाले कुल्हाड़ीधारी को भी छाया प्रदान करते हैं। वृक्ष एक छोटे बीज से विशाल वृक्ष बनने की अपनी यात्रा के माध्यम से हमे धैर्य और विकास का संदेश देते हैं। उनकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। आइए, हम सभी मिलकर इस पावन अभियान को उच्च शिखर" तक ले चलें और एक हरित और स्वच्छ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं। दीपोत्सव में सैकड़ों की संख्या में किसान, बच्चे, महिलाये और सशस्त्र सीमा बल 21वी एवं 65 वीं वाहिनी अधिकारी और बल कर्मी मौजूद रहे।

बगहा में नामांकन पत्रों की हुई स्क्रुटनी, छटे कई उम्मीदवारों की नाम

बीएनएम @ बगहा: वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र संख्या-01 से जनता दल यूनाइटेड के धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, कांग्रेस के सुरेंद्र प्रसाद, निर्दलीय अजहरुद्दीन अंसारी, सुरेंद्र राम, बहुजन समाज पार्टी के रामेश्वर यादव, निर्दलीय मोहम्मद जलील और लोक समाज पार्टी के राजेश शर्मा का नाम स्क्रूटनी के बाद चुनाव मैदान में बरकरार रहा है। अन्य उम्मीदवारों के नाम जांच के दौरान छांट दिए गए।रामनगर विधानसभा क्षेत्र संख्या-02 से भारतीय जनता पार्टी के नंदकिशोर राम, जन सुराज पार्टी के पप्पू कुमार, निर्दलीय संतोष राम, बहुजन समाज पार्टी के आदित्य कुमार, राकंपा के ललन पासवान, राजद के सुबोध पासवान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के वशिष्ठ पासवान, निर्दलीय अंगद कुमार और जन सुराज के पप्पू यादव का नाम स्क्रूटनी के बाद स्वीकार किया गया है।वहीं बगहा विधानसभा क्षेत्र संख्या-04 से भाजपा के राम सिंह, कांग्रेस के जयेश मंगलम सिंह, आजाद समाज पार्टी के महफूज आलम, जन सुराज पार्टी के नंदेश पांडेय उर्फ चुन्नू पांडेय, राइट टू रिकॉल पार्टी के राहुल तिवारी, निर्दलीय दिनेश अग्रवाल और भारत जन जागरण दल के शैलेश कुमार चौधरी चुनावी मैदान में हैं।तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। निर्वाचन आयोग की ओर से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान की तैयारी की जा रही है।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने शहीद सुरक्षाकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी एसएसबी कैंप पिपराकोठी मोतिहारी के द्वारा मंगलवार को प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट के नेतृत्व में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य पर कमांडेंट के द्वारा देश की सुरक्षा में अपने प्राण की आहुति दिये और वीरगति को प्राप्त हुए शहीदों को याद कियें। तत्पश्चात उन सभी शहीदों को सलामी देकर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट ने सभी बल कर्मियों को बताया कि आज के ही दिन सन 1959 में उत्तर पूर्वी लद्दाख में जहाँ पर लगभग - 40 डिग्री तापमान था वहां एक दिन पहले हॉट स्प्रिंग्स में गश्ती के लिए निकले सुरक्षा कर्मियों के सदस्य वापस नहीं लौटे, तब सभी लापता सुरक्षा कर्मियों की तलाश में एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया लेकिन पहाड़ी की चोटी पर छुपे हुए चीनी सेना ने भारत के उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों पर छुप कर गोलियाँ चलाना और हथगोले फेंकने शुरू कर दिया जिसमें दस बहादुर पुलिस के जवान शहीद हो गए और बहुत से जवान घायल हो गए। उक्त कार्यक्रम के दौरान नीरज कुमार द्वितीय कमान अधिकारी, सतीश कुमार गुप्ता उप-कमांडेंट, दीपक कुमार सहायक कमान्डेंट (संचार) और बड़ी संख्या में एस.एस.बी. के जवान मौजूद रहे।

एसएसबी ने सीमा चौकियों पर हर्षोल्लास से मनाया दीपावली उत्सव

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मोतिहारी के तत्वावधान में दीपावली का पर्व पूरे उल्लास और आपसी सौहार्द्र के साथ मनाया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमाक्षेत्र में तैनात एसएसबी जवानों ने नेपाल एपीएफ के अधिकारियों और जवानों को मिठाई भेंट कर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दीपों का यह त्योहार बुराई पर अच्छाई, अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। इसी भावना के साथ एसएसबी के सभी सीमा चौकियों एवं बॉर्डर पोस्टों पर सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ भी दीपावली उत्सव मनाया गया। जवानों ने स्थानीय लोगों को मिठाई भेंट की और सीमा पर आपसी सौहार्द्र एवं सहयोग की परंपरा को और मजबूत करने का संदेश दिया।

दो स्थानों पर अग्निकांड, लाखों की संपत्ति जलकर नष्ट

बीएनएम @ हरसिद्धि

दीपावली की रात हरसिद्धि थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर आग लगने की घटनाओं में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। पहली घटना भादा पंचायत के महादलित बस्ती पासी टोला वार्ड संख्या 9 की है, जहाँ सोमवार देर रात शॉर्ट सर्किट से लगी आग में चार परिवारों के घर पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। अंचल अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ितों में छट्टू राम, अकलू राम, रामप्रीत राम और नगीना राम के घर पूरी तरह जल गए हैं। एक परिवार के घर में रखे 25,000 नगद के साथ कपड़े, बर्तन, अनाज आदि सभी घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, कुल मिलाकर लाखों की क्षति हुई है। प्रशासन ने तत्काल राहत स्वरूप सभी पीड़ित परिवारों के बीच तिरपाल का वितरण कर दिया है तथा प्रत्येक परिवार को आरटीजीएस के माध्यम से 12,000 की सहायता राशि दी जाएगी। दूसरी घटना सोनबरसा गांव की है, जहाँ एक साइबर कैफे एवं सीएसपी दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। पीड़ित नवाब साहब (पिता–नसरुल्लाह साहब) ने बताया कि आग में सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर नष्ट हो गए, जिससे लगभग 10 लाख की क्षति हुई है। चूँकि यह कमर्शियल प्रतिष्ठान है, इसलिए इसे आपदा राहत कोष से सहायता राशि का प्रावधान नहीं है। अंचल अधिकारी ने बताया कि भादा पंचायत में सात घर जलने की सूचना थी, लेकिन जांच में चार ही परिवारों की क्षति सत्य पाई गई।

हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से छह प्रत्याशी मैदान में, चार का नामांकन रद्द

» प्रेक्षक की उपस्थिति में हुई संवीक्षा, डीसीएलआर इति चतुर्वेदी ने की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधान सभा चुनाव 2025 के तहत 13-हरसिद्धि (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र से दाखिल नामांकन पत्रों की जाँच मंगलवार, 21 अक्टूबर 2025 को की गई। संवीक्षा की यह प्रक्रिया निर्वाचन प्रेक्षक की उपस्थिति में निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर इति चतुर्वेदी के कक्ष में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुई। जाँच के उपरांत कुल छह प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए, जबकि चार अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द कर दिए गए।

वैध पाए गए प्रत्याशी इस प्रकार हैं –

- कृष्णनंदन पासवान — भारतीय जनता पार्टी
- राजेंद्र कुमार — राष्ट्रीय जनता दल
- अवधेश कुमार — जन सुराज पार्टी
- रवि कांत रवि — किसान सुराज दल
- जगदीश राम — निर्दलीय
- राजेंद्र पासवान — निर्दलीय

वहीं चार प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द किए गए। इनमें

- संजीत कुमार — राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी,
- मदन पासवान — राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी,
- संतोष कुमार राम — बहुजन समाज पार्टी तथा
- सुरेश पासवान — निर्दलीय शामिल हैं।

इन चारों उम्मीदवारों के नामांकन पत्र प्रस्तावकों की अपर्याप्त संख्या तथा शपथ पत्रों में त्रुटि के कारण अस्वीकृत किए गए। पूरी जाँच प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से की गई। निर्वाचन प्रेक्षक की उपस्थिति में सभी प्रत्याशी और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। विधिक अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु संपूर्ण कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई। अब स्वीकृत उम्मीदवार 23 अक्टूबर तक नाम वापसी कर सकेंगे, जिसके बाद अंतिम प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित की जाएगी।

दूसरे चरण के चुनाव के लिए विभिन्न दलों के उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए

भाजपा के बागी नेता वशिष्ठ पासवान ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से किया नामांकन

बीएनएम @ बगहा

सुरेन्द्र कुशवाहा ने किया कांग्रेस पार्टी से नामांकन

भाजपा के बागी नेता वशिष्ठ पासवान ने किया सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से नामांकन

रामनगर विधानसभा क्षेत्र से वशिष्ठ पासवान ने सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी के रूप में सोमवार को नामांकन दाखिल किया। वे पहले भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे और लगभग 17 वर्षों तक पार्टी के विभिन्न पदों पर रहे। पार्टी से नाराज होकर उन्होंने 17 अक्टूबर 2025 को इस्तीफा दे दिया था। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में वशिष्ठ पासवान ने कहा कि दो दशकों तक भाजपा में रहकर पार्टी की निष्ठापूर्वक सेवा की, लेकिन इस बार बाहरी उम्मीदवार को लाकर पार्टी ने स्थानीय कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि रामनगर की जनता और कार्यकर्ताओं में इस निर्णय को लेकर गहरा आक्रोश है। जनदबाव और कार्यकर्ताओं के आग्रह पर मैंने नई राह चुनी है और अब मैदान में उतर चुका हूं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता का समर्थन मिला तो क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे। खासकर ब्लॉक और अंचल स्तर पर पारदर्शिता लाकर आम लोगों को राहत दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वशिष्ठ पासवान ने कहा कि वे जनता के मुद्दों पर बिना किसी भेदभाव के काम करेंगे और ईमानदारी से विकास की नई शुरुआत करेंगे। दुसरी तरफ वाल्मीकिनगर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुरेन्द्र कुशवाहा, रामनगर से राजद प्रत्याशी सुबोध पासवान, और बगहा से जन सुराज पार्टी के नंदेश पांडेय ने नामांकन किया। वहीं आजाद समाज पार्टी की ओर से बगहा विधानसभा सीट पर अधिवक्ता महफूज आलम ने पर्चा दाखिल किया।टिकट नहीं मिलने से चर्चा में आए भाजपा के बागी नेता भूप नारायण यादव ने भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया। उनके साथ अशोक पटेल ने भी निर्दलीय रूप से नामांकन पत्र दाखिल किया।बगहा और रामनगर विधानसभा क्षेत्रों से कई अन्य निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन किए। नामांकन का अंतिम दिन होने के कारण निर्वाचन कार्यालयों में सुबह से ही चहल-पहल देखी गई। मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए थे।

डिस्पैच सेंटर एसएसबी कैंप एयरपोर्ट ग्राउंड रक्सौल का भौतिक रूप से किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक 10- रक्सौल विधानसभा क्षेत्र मयंक अग्रवाल के द्वारा मंगलवार को रक्सौल विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर एसएसबी कैंप एयरपोर्ट ग्राउंड रक्सौल का भौतिक रूप से निरीक्षण किया गया एवं की गई सभी तैयारियों की जानकारी ली गई। यहां से निकलने के बाद प्रेक्षक के द्वारा रक्सौल विधानसभा के कई संवेदनशील मतदान केंद्रों का भ्रमण कर जायजा लिया गया एवं मतदाताओं से मिलकर फीडबैक प्राप्त की गई। इसके पश्चात स्टैटिक सर्विलांस चेक पोस्ट का निरीक्षण किया गया एवं सभी जरूरी जानकारी प्राप्त की गई। क्षेत्र भ्रमण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल मनीष कुमार भी उपस्थित थे।

स्वीप ने गीतों और डेमो से बढ़ाई महिला मतदाताओं की भागीदारी

बीएनएम @ जमुई/गिद्धौर

मतदाताओं को जागरूक करती महिलाएं

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, SWEEP कोषांग ने गिद्धौर प्रखंड में महिला मतदाता जागरूकता का जोरदार अभियान चलाया। पतसंडा (बूथ 144), सेवा (बूथ 04), और गंगरा (बूथ 172) पंचायतों में आयोजित इन कार्यक्रमों में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया और मतदान के महत्व को समझा।SWEEP टीम ने महिलाओं को बताया कि उनका वोट सिर्फ एक कागज़ का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनकी 'आवाज़' और लोकतंत्र में उनकी 'जिम्मेदारी' है। वॉलंटियर्स ने वोटिंग प्रक्रिया का व्यावहारिक डेमो दिया और वोटर लिस्ट में नाम चेक करने की सुविधा भी दी। लोकल कलाकारों ने गीत-संगीत के ज़रिए उत्साह बढ़ाया।एसडीएम ने इस प्रयास को गेम-चेंजर बताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 80% से अधिक महिला भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम के समापन पर महिलाओं ने न सिर्फ खुद मतदान करने की, बल्कि पड़ोस की बहनों को भी प्रेरित करने की शपथ ली, जो नवंबर में होने वाले चुनावों के लिए एक मजबूत संकेत है।

शहीदों के सम्मान में सशस्त्र सीमा बल 65 वीं वाहिनी ने मनाया पुलिस स्मृति दिवस

बीएनएम @ बगहा

पुलिस स्मृति दिवस मानते सशस्त्र सीमा बल के जवान

65 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बगहा के प्रांगण मे शहीदों के सम्मान में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। जिसमे विगत वर्ष के दौरान 01 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच पुलिस बलों तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजली दी गई, तथा पुष्पांजलि अर्पित की गई । कार्यक्रम में नंदन सिंह मेहरा, कमांडेंट 65 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के साथ ही कोजाराम लोमरोड़ द्वितीय कमान अधिकारी, नीलकांत, उप कमांडेंट तथा समस्त बल कर्मियों ने शहीदों को श्रद्धांजली दी । वीर शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा शोक शस्त्र परेड कर दो मिनट का मौन धारण किया गया। कमांडेंट 65 वाहिनी ने समस्त वाहिनी कार्मिकों को संबोधित करते हुए पुलिस स्मृति दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला तथा बताया कि आज के दिन ही वर्ष 1959 में भारत तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिए लद्दाख मे हॉट स्प्रिंग मे सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया था । जब बल के 21 जवानो का गश्ती दल हॉट स्प्रिंग मे गश्त कर रहा था, तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती दल पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया, तब बल के मात्र 21 जवानो ने चीनी आक्रमणकारियो का डट कर मुक़ाबला किया जिसमे मातृभूमि की रक्षा करते हुए 10 शूरवीर जवानो ने अपने प्राणो का बलिदान दिया । उन्ही बहादुर जवानो की याद में ये खास दिन मनाना शुरू किया गया। नंदन सिंह मेहरा कमांडेंट 65 वाहिनी ने इस विशेष अवसर पर सभी जवानों से कहा कि एक ईमानदार, निष्ठावान तथा समर्पित पुलिस कर्मी जान की परवाह किये बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़े, तो अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटता। देश के वीर पुलिस जवानों का यही जज्बा देश के प्रति सेवा के उनके उच्च दर्जे की समर्पण भावना को दर्शाता है। उन्होंने इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजली देते हुए, अमर वीरों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना प्रकट की।

संक्षिप्त समाचार

एक क्विंटल देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ जमुई/झाझा। विधानसभा चुनाव को लेकर बनाए गयें दंडाधिकारी द्वारा विशेष छापेमारी अभियान के दौरान एक क्विंटल देसी शराब के साथ एक शराब तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान उखरिया गांव निवासी मानिकलाल हेंब्रम के रूप में हुई है जो गुडियारा स्थित अपने ससुराल में रहकर शराब के कारोबार में लिप्त है। जब घर की तलाशी ली गई तो 50-50 लीटर का दो गैलन में शराब भरा हुआ मिला. जिसमें लगभग 100 लीटर शराब पाई गई। तभी उसकी गिरफ्तारी की गई। इसे लेकर थाना क्षेत्र के गुड़ियारा कैंप उड़ानदस्ता रोहित प्रसाद यादव ने थाना में आवेदन देते हुए बताया कि सूचना मिली कि गुडियारा गांव में जो उखड़िया का निवासी है, अपने ससुराल में रहकर शराब का निर्माण कर खरीद- बिक्री करता है। छापेमारी के दौरान जब उसका घर गया तो एक व्यक्ति भागने लगाजिसे पुलिस बल द्वारा पकड़ लिया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह बताया कि मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी गई है।

मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ गया जीः हैंड इन हैंड इंडिया के ग्राम उत्थान कार्यक्रम के द्वारा नीमचक बथानी प्रखंड के पत्थरकट्टी गांव में महिलाओं के साथ मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मतदान के अधिकार, उसकी महत्ता और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी के महत्व के प्रति जागरूक करना था। ऐसे कार्यक्रम महिलाओं में सामाजिक-राजनीतिक समझ को मजबूत करते हैं और उन्हें सक्रिय नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम में गांव की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मतदान से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। चर्चा सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को मतदान प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया, और निष्पक्ष मतदान के महत्व की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान हैंड इन हैंड इंडिया के सहायक परियोजना प्रबंधन डॉ.अभय कुमार तथा फील्ड समन्यवयक अनिल कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं को बताया कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी भी है। सभी से अपील की गई कि वे अपने परिवार और समुदाय को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर ग्राम की महिलाओं ने यह संकल्प लिया कि वे आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करेंगी और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी।हैंड इन हैंड इंडिया की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम महिलाओं में लोकतांत्रिक जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा ताकि ग्रामीण महिलाएं सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बन सकें।

पत्रकार सह कांग्रेस नेता की सड़क हादसे में घायल

बीएनएम @ गया जीः गया जी के वरिष्ठ पत्रकार सह कांग्रेस नेता नंदू चंद्रवंशी का सोमवार की देर रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें इलाज के लिए मगध मेडिकल में भर्ती कराने के बाद परिजन पटना स्थित अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उनकी बहन ने बताया कि डॉक्टरों ने 72 घंटे ऑब्जरवेशन पर रखने के बाद ही कुछ भी कहने को कहा है।

नीतीश कुमार अगर चाहें तो कांग्रेस में उनका स्वागत : पप्पू यादव

बीएनएम @ पटना : बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर ऐसा बयान दिया है जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। चुनावी माहौल के बीच पप्पू यादव ने नीतीश को खुला ऑफर देते हुए कहा कि "अगर नीतीश कुमार चाहें, तो कांग्रेस में उनका सम्मान और स्वागत दोनों होगा।"पत्रकारों के सवाल पर कि क्या नीतीश कुमार चुनाव के बाद फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे, पप्पू यादव ने साफ कहा — "बिलकुल नहीं। भाजपा उन्हें सम्मान नहीं देगी, लेकिन कांग्रेस देगी। अगर वे आना चाहें, तो कांग्रेस उन्हें पूरा सम्मान देगी।" उनके इस बयान को राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जा रहा है, खासकर उस समय जब महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।पप्पू यादव ने NDA पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, "अकेला पप्पू यादव पूरे NDA पर भारी है।" उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्या INDIA गठबंधन के नेता प्रचार में एकजुट हैं, और साथ ही चिराग पासवान की भूमिका पर भी निशाना साधते हुए कहा कि "चिराग पासवान का खेल जनता समझ रही है।"उन्होंने यह भी कहा कि "महागठबंधन से सवाल मत कीजिए, भाजपा के नेताओं से पूछिए कि उनके बीच एकता कहां है? नीतीश कुमार खुद मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते, यही बिहार की सबसे बड़ी राजनीतिक सच्चाई है।"पप्पू यादव ने यह भी ऐलान किया कि छठ पूजा के बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष बिहार में कई बड़ी चुनावी सभाएं करेंगे। उन्होंने दावा किया कि "महागठबंधन कमजोर नहीं, बल्कि नई ताकत के साथ उभर रहा है।

भाई दूज 2025: भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भाई दूज कल मनाया जाएगा

» सूर्य-चंद्रमा की विशेष युति से बन रहा ग्रह शांति का योग

बीएनएम @ पटना

स्नेह, सुरक्षा और आशीर्वाद का प्रतीक यह पर्व, शुभ मुहूर्त 10:45 से 1:15 तक

दीपावली पर्व के समापन के बाद भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक भाई दूज मनाया जाता है। इस वर्ष यह शुभ पर्व 23 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन मृत्यु के देवता यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे थे। यमुना ने उनका आदर-सत्कार किया, तिलक लगाया और भोजन कराया। भाई-बहन के इस पवित्र प्रेम से प्रसन्न होकर यमराज ने आशीर्वाद दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन से तिलक करवाएगा, उसे मृत्यु का भय नहीं रहेगा और उसके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। तभी से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है।भाई दूज के दिन बहनें सुबह स्नान के बाद पूजा की थाली सजाती हैं। वे यमराज के नाम से दीपदान करती हैं, जिससे पितरों को शांति और परिवार में सुख-समृद्धि मिलती है। इसके बाद बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर दीर्घायु, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करती हैं। बदले में भाई बहनों को उपहार, वस्त्र या आभूषण भेंट कर उनके प्रेम का सम्मान करते हैं। यह दिन भाई-बहन के रिश्ते में और अधिक अपनापन और विश्वास जोड़ता है।ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार भाई दूज पर सूर्य और चंद्रमा की विशेष युति से ग्रह शांति का योग बन रहा है। यह संयोग परिवार में सौहार्द, मानसिक शांति और आपसी सहयोग को बढ़ाने वाला माना गया है। पंडितों के मुताबिक, तिलक का शुभ मुहूर्त सुबह 10:45 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक रहेगा।धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि भाई दूज का दिन सिर्फ एक पारिवारिक त्योहार नहीं बल्कि स्नेह, सुरक्षा और आशीर्वाद का प्रतीक है। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि रिश्तों की पवित्रता बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि सच्चे प्रेम और समर्पण में छिपी होती है। दीपावली के उजियारे के बाद भाई दूज का यह पर्व रिश्तों की डोर को और मजबूत करने वाला दिन बन जाता है।

नकटी डैम से अज्ञात महिला का शव बरामद

घटना स्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़

बीएनएम @ जमुई/झाझा

मंगलवार को थानाक्षेत्र के नकटी डैम में पानी मे प्लास्टिक के बोरा में बंद महिला (करीब 30 वर्ष) का शव मिला जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी अनुसार कुछ लोग नकटी डैम की ओर गया तो देखा कि डैम के किनारे पानी मे एक बोरा पड़ा हुआ है उसमें एक महिला का शव है। जिसके बाद शव के मिलने की खबर आग की तरह चारों और फैल गया जिसके बाद लोगों की भीड़ डैम किनारे जुट गई और लोगों ने शव मिलने की जानकारी झाझा थाना को दिया। सूचना मिलने पर एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय कुमार अन्य पुलिस पदाधिकारी, दलबल के साथ मौके स्थल पर पहुंचे और बंद बोरा में भरे शव को बाहर निकाला जिसके बाद शव की शिनाख्त को लेकर मौजूद ग्रामीणों से पूछताछ किया लेकिन शव की शिनाख्त नही हो सका। पानी मे बंद बोरा मिले शव भी सड़ीगली अवस्था मे था जिससे पुलिस को शव की शिनाख्त में और परेशानी बढ़ गई उसके बाद शव की शिनाख्त को लेकर अगल बगल के गांव में भी पुलिस संर्पक किया लेकीन कुछ भी पता नही चल सका। इधर पुलिस शव को कब्जे में लेने के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया। मामले में एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त को लेकर प्रयास में है और हर बिंदुओ पर जांच की जा रही है।

श्रुति सिंह बनीं स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार की रेफरी कमीशन की सहायक सचिव

बीएनएम @पटना

स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार (एसकेएबी) ने अपने रेफरी कमीशन में दरभंगा की श्रुति सिंह को सहायक सचिव के पद पर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा रविवार को पटना स्थित एसकेएबी मुख्यालय में हुई बैठक में की गई। इस बैठक में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और राज्य में कराटे खेल के प्रसार पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में पटना के हर्ष कुमार को अध्यक्ष और नालंदा के राकेश राज को सचिव नियुक्त किया गया। एसकेएबी के संयुक्त सचिव एवं वरीय प्रशिक्षक मुकेश मिश्रा ने सभी नए पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि "अध्यक्ष अभय कुमार और महासचिव पंकज कांबली के नेतृत्व में बिहार में कराटे निरंतर प्रगति कर रहा है। यह नियुक्तियाँ कराटे समुदाय के लिए गर्व का विषय हैं।"कराटे एसोसिएशन ऑफ दरभंगा के मुख्य सलाहकार डॉ. निर्भय शंकर भारद्वाज और अध्यक्ष राजीव रंजन ने भी श्रुति सिंह को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि दरभंगा जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण है और यह नियुक्ति युवा कराटे खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा का स्रोत बनेगी।नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन की नीतियों और उद्देश्यों के अनुरूप बिहार में कराटे खेल के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस नियुक्ति के साथ ही श्रुति सिंह ने राज्य स्तर पर कराटे रेफरी समुदाय में अपनी पहचान बनाई है और उम्मीद जताई जा रही है कि वे अपने कार्य से खेल में गुणवत्ता और अनुशासन को बढ़ावा देंगी।एसकेएबी का मानना है कि इस तरह की नियुक्तियाँ न केवल महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, बल्कि युवा प्रतिभाओं को खेल के प्रति उत्साहित करने और कराटे को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में भी मदद करेंगी।

35 वर्षों का कलंक मिटाने सभी लोगों का आगे आना होगा: सुबोध कांत सहाय

गया क्लब में आयोजित नामांकन सभा में महागठबंधन के नेता और प्रत्याशी मोहन श्रीवास्तव के साथ एकजुटता का परिचय देते हुए

नामांकन केंद्र के बाहर खड़ी समर्थकों की भीड़

बीएनएम @ गया जी

» कांग्रेस प्रत्याशी मोहन श्रीवास्तव ने किया नामांकन
» जन सुराज से पूर्व भाजपा सांसद ने किया नामांकन

गया शहरी विधानसभा क्षेत्र से पिछले आठ वर्षों से एक हीं व्यक्ति को लोग जीताते आ रहे हैं। लेकिन यह परिपाटी अब बदलनी होगी। क्योंकि अब गया शहर एक नई उम्मीद और नये नेता को लेकर आगे बढ़ना चाहता है। यह बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुबोध कांत सहाय ने गया क्लब में सोमवार को आयोजित नामांकन सभा में कहीं। वे कांग्रेस प्रत्याशी अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव के नामांकन में भाग लेने आये थे। उन्होंने कहा कि प्रेम कुमार ने इस शहर को बर्बाद कर दिया है। विकास के नाम पर उनके पास एक भी उपलब्धि नहीं है।

पूर्व सांसद ने भी साधा निशाना – भाजपा के पूर्व सांसद धीरेंद्र अग्रवाल भी भाजपा विधायक के खिलाफ आगे आते हुए कहा कि अब गया शहर को नये नेता की जरूरत है। इसलिए मैंने भी जनसुराज के नेतृत्व में इस शहर को बदलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि गया शहर की जनता अब हर कीमत बदलाव चाहती है। कांग्रेस प्रत्याशी मोहन श्रीवास्तव और जनसुराज से धीरेंद्र अग्रवाल समर्थकों के साथ एसडीओ कार्यालय पहुंचें और अपना नामांकन किया। इस दौरान उनके समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहें।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, संस्कार ही असली पूंजी : डॉ. राजीव रंजन

» प्रकाश से प्रेरणा की ओर' कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ जमुई/झाझा

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

प्रखंड अंतर्गत बैजला पंचायत के बैजला गांव में आदर्श युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार द्वारा दिवाली विशेष अवसर पर प्रकाश से प्रेरणा की और कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिमुलतला आवासीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव रंजन, के. एस. एस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामावतार सिंह, आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । वहीं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक वीरभद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में मोबाइल का विद्यार्थी जीवन में प्रभाव विषय पर डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें बालिका वर्ग विजेता और बालक वर्ग को उपविजेता घोषित किया गया। इन्हें दोनों ग्रुप को कप मोमेंटो के साथ पाठ्य सामग्री देकर अतिथियों ने उत्साह वर्धन किया। दिवाली के दिन भी बच्चे प्राचार्य को 2 घंटे तक सुनते रह गए। प्राचार्य से जीवन व करियर से संबंधित कई अच्छे प्रश्न पर बातचीत हुई। अपने उद्बोधन में प्राचार्य महोदय ने छात्रों से कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही जीवन में उत्कृष्टता की कुंजी है। जीवन में सफलता केवल अंकों या पद से नहीं मापी जाती, बल्कि व्यक्ति के संस्कार, ईमानदारी और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता ही असली सफलता है। एक अच्छा इंसान बने बिना सच्ची सफलता अधूरी रहती है। मौके पर उपस्थित प्रो. रामावतार सिंह ने कहा कि आज के विद्यार्थियों को गरीबी, परिस्थितियाँ या अभाव कभी सफलता में बाधा नहीं बनते। यदि मन में दृढ़ निश्चय, परिश्रम और आत्मविश्वास है, तो हर कठिनाई सफलता की सीढ़ी बन जाती है।उन्होंने आगे कहा कि जीवन में सबसे बड़ी पूँजी हमारी इच्छाशक्ति और संघर्ष करने की क्षमता है। जो छात्र अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं, वे किसी भी परिस्थिति में पीछे नहीं रहते। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे न केवल सफलता प्राप्त करें बल्कि एक अच्छे, संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान भी बनें। मौके पर आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार , मनीष कुमार, नीतीश कुमार प्रिंस, इंद्रदेव कुमार, राकेश कुमार, रूपेश, मनीष, सचिन सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड का दो आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम @ वजीरगंज (गया जी)

प्रखंड के तरवां निवासी सह प्रॉपर्टी डीलर विनोद प्रसाद उर्फ महतो जी हत्याकांड में नामजद दो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीएसपी सुनिल कुमार पांडेय ने सोमवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि घटना की सूचना मिलते हीं कार्रवाई शुरू कर दी। पीड़ित परिजन के बयान पर मामला दर्ज करते हुए घटना के चार घंटे के अंदर ही दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस ने की, ये सभी आपस में पूर्व से परिचित थे। मामले के उद्भेदन में एफएसएल एवं स्वांग दस्ते का भी सहयोग लिया जा रहा है। गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों में तरवां के गुड्डू मिस्त्री एवं मिथलेश चौधरी शामिल है। इसके अलावे अन्य छः नामित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस छापेमारी में जुटी है, जल्द हीं मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। इस घटना को लेकर तरवां बाजारमें सोमवार की सुबह शव को सड़क पर रखकर ग्रामीण एवं परिजन त्वरित अनुसंधान की मांग को लेकर कुछ समय के लिये आवागमन बाधित कर दिया था, जिसे पुलिस ने समझाकर शव को सड़क से हटाते हुए आवागमन सामान्य कराया।

थाने में गिरफ्तार आरोपित

गोबरहिया दोन में एसपी के नेतृत्व में चलाया गया वोट जागरूकता अभियान

मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल पुलिस अधीक्षक व अन्य

बीएनएम @ बगहा

» मतदाताओं को लोकतंत्र में मत का महत्व समझाया
» पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दोन में चलाया गया वोट जागरूकता अभियान

बगहा पुलिस जिला के गोबरहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गोबरहिया दोन के मतदाताओं द्वारा वोट बहिष्कार की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के नेतृत्व में वोट जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान एसपी सरोज के साथ सशस्त्र सीमा बल की 21वीं वाहिनी के समादेष्टा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रागिनी कुमारी, पुलिस उपाधीक्षक साईबर बगहा, प्रशिक्षु डीएसपी बगहा, पुलिस निरीक्षक अंचल रामनगर, थानाध्यक्ष गोबरहिया समेत कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।अधिकारियों की टीम ने दोन क्षेत्र के मतदाताओं से संवाद स्थापित कर उन्हें मतदान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और लोकतंत्र में मत की शक्ति के महत्व की जानकारी दी। इसके साथ ही टीम ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भी भ्रमण कर आवश्यक निर्देश दिए।बताया गया कि रामनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुदूरवर्ती दोन के करीब 22 राजस्व गांवों के लोगों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण चुनाव बहिष्कार की घोषणा की थी। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि क्षेत्र में सड़क, बिजली, और मोबाइल टॉवर जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उनका कहना था कि आजादी के 78 साल बाद भी क्षेत्र पिछड़ा हुआ है और चुनाव के समय नेता केवल वादे करते हैं, लेकिन बाद में विकास की बात भूल जाते हैं।एसपी सुशांत कुमार सरोज के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने लोगों को समझाया कि मतदान उनका अधिकार और दायित्व दोनों है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से काम करेगा।

मोटर खराब रहने से खैराघाट में बंद है नलजल योजना, एक चापाकल से बुझ रही प्यास

बीएनएम @ जमुई/झाझा

पानी लेने को लेकर चापाकल के लगी ग्रामीणों की भीड़

दीपावली और छठ पूजा जैसे बड़े त्यौहारों को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में साफ-सफाई और तैयारियों का कार्य जोरों पर है। लोग अपने-अपने घरों की रंगाई-पुताई, सजावट और पूजा की तैयारियों में जुटे हुए हैं। लेकिन दूसरी ओर झाझा नगर क्षेत्र के सोहजाना स्थित खैराघाट वार्ड नंबर दस के ग्रामीण इन खुशियों के बीच पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड में स्थित जल मीनार का मोटर खराब रहने के कारण कई महीनों से बंद पड़ा हुआ है, जिसके कारण लगभग 60 घरों के लोगों को पेयजल की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लोग एकमात्र चापाकल पर निर्भर हैं, जिससे पानी लेने के लिए उन्हें घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। महिलाएं और बुजुर्ग सिर पर बाल्टी उठाकर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं, जिससे उनका दैनिक जीवन कठिन हो गया है। ग्रामीण भरत भुल्ला, मंजू देवी, झलिया देवी, कुर्ती देवी, सबिया देवी आदि ने बताया कि जल मीनार कई महीनों से बंद है। उन्होंने बार-बार संबंधित विभाग और वरीय अधिकारियों को शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थिति यह है कि त्योहारों के इस पावन माहौल में जहां एक ओर लोग अपने घरों की सफाई और सजावट कर खुशी मना रहे हैं, वहीं खैराघाट के लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पानी के अभाव में वे घर की साफ-सफाई तक नहीं कर पा रहे हैं, जबकि पर्वों में स्वच्छता और पवित्रता सबसे अहम होती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जल विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द जल मीनार की मरम्मत कर इसे चालू कराया जाए, ताकि दीपावली और छठ जैसे पावन पर्व वे भी हर्षोल्लास के साथ मना सकें।

स्वामी विवेकानंद हॉस्पिटल में अब आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का मुफ्त इलाजः डॉ. यूपी गुप्ता

बीएनएम @ जमुई /सिमुलतला

फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन करते अतिथि

स्वामी विवेकानंद कालेज एंड हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत कार्ड के द्वारा पांच लाख का इलाज रोगियों को मुफ्त उपलब्ध होगा। हॉस्पिटल को आयुष्मान कार्डधारियों के मरीजों का इलाज करने की अनुमति मिल गई है। उपरोक्त बातें संस्थान प्रमुख डा. यूपी गुप्ता ने मंगलवार को संस्थान के केएसएस दवा की दुकान और चश्मा घर का विधिवत शुभारंभ करते हुए बताया। घोषणा किया कि दवा दुकान में सभी प्रकार की दवाइयों में दस प्रतिशत एवं चश्मा पर 25 प्रतिशत की छूट ग्राहकों को दी जाएगी। आगे इस छूटों को और बढ़ाया जाएगा।क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि दवा दुकान में पर्याप्त दवाईयां उपलब्ध है। साथ ही विश्वास भरें लब्जो में बताया कि आने वाला एक - दो महीनों में वो सभी दवाईयां दुकान में मिलेगा जिसके लिए ग्राहकों को देवघर, जमुई और पटना के चक्कर लगाते है। जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में 100 बेड की व्यवस्था फिलवक्त है। जल्द इस व्यवस्था को बढ़ाकर पांच सौ बेड का किया जाएगा। हॉस्पिटल में अत्याधुनिक मशीन के द्वारा अल्ट्रासाउंड के साथ सभी प्रकार जांच की सुविधा अन्य जगहों के उपेक्षा कम पैसे में उपलब्ध है। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा ली गई है ताकि मरीज बेहिचक अपना इलाज कराए। क्षेत्रवासियों को बताया कि अस्पताल में आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर एसएसबी के पार्टी कमांडर शुभोरंजन धर के साथ ग्रामीण चिकित्सक डा. रहमान अंसारी, नवनीत कुमार, चुनचुन ठाकुर, सुनील कुमार, अरविंद बरनवाल, संजय तांती के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

ट्रंप तुम राजा नहीं हो, विरोध में लाखों लोग सड़कों पर

अमेरिका, जो पूरी दुनिया में लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है, इन दिनों एक नए जन आंदोलन का साक्षी बन रहा है। नो किंग्स डे के रूप में इस विरोध आंदोलन में अमेरिका के सभी राज्यों के लगभग 70 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्ता के अहंकार और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के उल्लंघन के खिलाफ है। इस आंदोलन ने सारी दुनिया को चौंका दिया है। इस बार करीब 70 लाख से अधिक नागरिकों ने सड़कों पर उतरकर यह संदेश दिया है, लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली और लोकप्रिय क्यों न हो, वह जनता जनार्दन से बडा नहीं हो सकता है। दरअसल अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले कई महीनो से यह आरोप लग रहा है, कि वह अमेरिका के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। नियमो और कानून का उल्लंघन करके वह मनमाने निर्णय ले रहे हैं। उनका राजनीतिक व्यवहार अहंकार और बयानबाज़ी ने अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया में अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को एक राजा या अभिजात नेता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका के नागरिकों ने इस मानसिकता को पूरी तरह से नकारते हुए जबरदस्त विरोध करना शुरू कर दिया है। नो किंग्स डे आंदोलन की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, यह किसी हिंसा या अराजकता का आन्दोलन नहीं है। बल्कि शांतिपूर्ण विरोध का प्रतीक बनकर सारी दुनिया के सामने यह आंदोलन है। लोग तख्तियां लिए, झंडे थामे, सड़कों पर उतरे, एक ही सुर में बुलंद आवाज में नारे और स्लोगन के माध्यम से कहा, "ट्रंप, तुम राजा नहीं हो।" लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि हो। अमेरिका की जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर सजग है। ट्रंप ने इस आंदोलन को "राजाओं की हरकत" बताकर आलोचना की है। इस प्रदर्शन के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लड़ाकू विमान उड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विमान पर लिखा था, "किंग ट्रंप" यह दृश्य जितना व्यंग्यपूर्ण था, उतना ही प्रतीकात्मक भी था। इससे यह संदेश गया कि ट्रंप का राजनीतिक अंदाज़ अब लोकतांत्रिक आदर्शों, बेशर्मी ओर बेहआई के साथ अहंकार का प्रदर्शन कर रहा है। अमेरिकी जनता का यह जनजागरण बताता है, यायावर अमेरिका में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। अमेरिका के नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर हमेशा सजग रहते हैं। जनता यह नहीं चाहती, कोई भी नेता संविधान और जनता की इच्छा से ऊपर उठकर खुद को शासक या राजा माने। अमेरिका की सड़कों पर उमड़ी यह भीड़ सिर्फ ट्रंप के खिलाफ नहीं, बल्कि तानाशाही सोच के खिलाफ शासको और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक चेतावनी भी है।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

ललित गर्ग

अमित शाह के 61वें जन्म दिवस- 22 अक्टूबर, 2025)

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे। अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-"सहकार से समृद्धि"। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-"गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।" उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे

हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-"कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पर आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है-वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं। अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों-बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है। अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहीं शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहीं शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है-"व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि।" शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है। अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है। इसलिए मोदी-शाह की जोड़ी हर चुनाव को युद्ध के रूप में लड़ने के लिए जानी जाती है। शाह का मानना है कि संगठन को हमेशा 24 घंटे 365 दिन गतिशील रखना चाहिए। यह काम वे अपने पांच दशक के राजनीतिक सफर में, वार्ड के बूथ प्रभारी के तौर से करते रहे हैं। गीत-संगीत के शौकीन शाह निदा फाजली के प्रशंसकों में से हैं। खाने-पीने के शौकीन जरुर हैं, लेकिन संयमित और अनुशासित भोजन ही लेते हैं।

बदलते समय में भाई दूजः कैसे बना रहे प्रेम और अपनापन

डॉ. प्रियंका सौरभ

दिवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह- मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई, बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है। आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएँ बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था? कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता- बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी। आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। "भाई दूज मुबारक" का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नज़रों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज़्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब "स्टेटस अपडेट" बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक 'मौके की मुलाकात' बना दिया है। जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिनभर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें "सुरक्षा की मोहताज" नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है। त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है- रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं। आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्यौहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है- बराबरी और आत्मीयता का संतुलन। भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज रिश्तों को "प्रोडक्टिविटी" और "प्रोफेशनलिज़्म" की कसौटी पर तौलने लगा है। हम दोस्ती में भी फायदे ढूँढ़ते हैं, तो पारिवारिक रिश्ते भी कभी-कभी बोझ लगने लगते हैं। भाई दूज ऐसे ही समय में हमें झकझोरती है- कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं होता। तकनीक रिश्ते बना सकती है, पर आत्मीयता केवल स्पर्श, मुस्कान और अपनेपन से आती है। यह सही है कि समय बदल रहा है और रिश्तों की शैली भी बदलनी चाहिए। लेकिन हर बदलाव में भावनाओं का बीज बचा रहना जरूरी है। भाई दूज के पर्व को नया अर्थ देना होगा- जहाँ भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की भावनाओं, संघर्षों और स्वतंत्रता का सम्मान करें। त्योहार तभी जीवित रहते हैं जब वे समय के साथ अपनी आत्मा को बचाए रखते हैं। भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े। यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस हमें उसे झाड़-पोंछकर चमकाना आना चाहिए। भाईदूज का संदेश बहुत सीधा है- रिश्तों को निभाने के लिए कोई बड़ी रस्म नहीं चाहिए, बस छोटी-छोटी संवेदनाएँ चाहिए। कभी एक फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना कारण किया गया धन्यवाद- यही वो छोटे तिलक हैं जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवित रखते हैं। समय बदलेगा, त्यौहार भी रूप बदलेंगे, पर प्रेम और अपनापन अगर मन में बसा रहा, तो रिश्ते कभी टूटेंगे नहीं। भाई दूज हमें यह याद दिलाने आया है कि जीवन चाहे जितना तेज़ हो जाए, एक दिन रुककर किसी प्रिय को तिलक लगाना, उसकी आँखों में अपनेपन की रोशनी देखना- यही सच्चा त्योहार है। इसलिए इस बार जब तिलक लगाएँ, तो साथ यह वचन भी लें कि रिश्तों की डोर कभी ढीली नहीं पड़ने देंगे। भाई दूज की यह रौशनी सिर्फ दीयों में नहीं, दिलों में भी जले। प्रेम और अपनापन केवल तस्वीरों में नहीं, व्यवहार में बहे। तभी इस पर्व का सार बचा रहेगा, और हम कह सकेंगे—बदलते समय में भी, भाई दूज से प्रेम और अपनापन बना हुआ है।

गोवर्धन पूजाः गौ पूजा का त्योहार

गोवर्धन पूजा (22 अक्टूबर) पर विशेष

गोवर्धन पूजा एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्योहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते हैं:

कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टि उठाई, इनमें को भगवंत।।

इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है। अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गो माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गो सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गो के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमाएं लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं। महाराष्ट्र में यह दिन बलि प्रतिपदा या बलि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामनकी राजा बलि पर विजय और बाद में राजाबलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं । कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। श्री कृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्घन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। तब श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्घन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। इन्द्र लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हें एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता। अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यंत लज्जित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका। इसलिए अहंकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें। जीवनसाथी घर के कार्यों में मदद करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे। सभी जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऋषभ पंत की वापसी, दक्षिण अफ्रीका 'ए' सीरीज में संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट से उबरने के बाद एक बार फिर मैदान पर लौट रहे हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय मैचों की शृंखला के लिए भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह मुकाबले 30 अक्टूबर से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। पंत जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पैर की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हो गए थे। अब उनके पूरी तरह फिट होने के बाद यह सीरीज उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का प्रतीक होगी। माना जा रहा है कि इस प्रदर्शन के बाद वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में भारत की सीनियर टीम में भी वापसी करेंगे। बीसीसीआई ने दोनों मैचों के लिए अलग-अलग टीमें घोषित की हैं। साई सुदर्शन को दोनों मैचों के लिए उप-कप्तान बनाया गया है।

पहला चार दिवसीय मैच (30 अक्टूबर - 2 नवंबर)

पहले मैच की टीम में घरेलू क्रिकेट का रंग देखने को मिलेगा क्योंकि यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया दौरे से टकरा रहा है। 18 वर्षीय आयुष म्हात्रे को पहली बार मौका मिला है, वहीं राजत पाटीदार और आयुष बडोनी भी टीम में शामिल हैं। टीम में बल्लेबाजों के रूप में देवदत्त पडिक्कल, सुदर्शन, और एन. जगदीशन मौजूद रहेंगे। ऑलराउंडर विभाग में हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, और मनव सूथार शामिल हैं, जबकि गेंदबाजी की कमान यश ठाकुर, अंशुल कम्बोज, और सरांश जैन संभालेंगे।

पहले मैच की टीमः

ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, राजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, मनव सूथार, अंशुल कम्बोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सरांश जैन।

दूसरा चार दिवसीय मैच (6 - 9 नवंबर)

दूसरे मुकाबले के लिए टीम में कई टेस्ट नियमित खिलाड़ी जोड़े गए हैं। केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज टीम में शामिल किए गए हैं। इसके अलावा आकाश दीप, खलील अहमद और गुर्नूर बराड़ को भी जगह मिली है।

पहले मैच की टीम से म्हात्रे, पाटीदार, कम्बोज, ठाकुर, बडोनी और सरांश को बाहर किया गया है।

दूसरे मैच की टीमः

ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, मनव सूथार, खलील अहमद, गुर्नूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होगी।

सिनर ने डेविस कप से नाम वापस लिया, अल्कराज करेंगे स्पेन का प्रतिनिधित्व

एजेंसी, नई दिल्ली

जाने-माने टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने इस साल के डेविस कप फाइनल्स में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। मौजूदा चैंपियन इटली ने सोमवार को अपनी टीम की घोषणा करते हुए उनकी गैरमौजूदगी की पुष्टि की। वहीं, विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्कराज स्पेन की ओर से टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। सिनर, जो वर्तमान में विश्व में दूसरे स्थान पर हैं, ने पिछले साल स्पेन में इटली को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, इस बार वे 18 से 23 नवंबर के बीच बोलोनिया (इटली) में होने वाले फाइनल-8 में नहीं खेलेंगे। इटली के कप्तान फिलिपो वोलांद्री ने कहा,"जैनिक सिनर ने 2025 के लिए अपनी उपलब्धता नहीं दी है। डेविस कप हमेशा उनका घर रहेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि वे जल्द ही टीम का हिस्सा होंगे। इस बीच, हमारे पास एक मजबूत टीम है जो पूरी ताकत से खेलेगी।" इटली की टीम में माटेओ बेरेटिनी, सिमोने बोलेली, फ्लावियो कोबोली, लोरेंजो मुसेत्ती और आंद्रेया वावासोरी शामिल हैं। सिनर इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन का खिताब जीत चुके हैं और चारों ग्रैंड स्लैम के फाइनल तक पहुंचे थे। वे डेविस कप से एक हफ्ता पहले ट्यूरिन में एटीपी फाइनल्स में खिताब बचाने उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में अल्कराज भी हिस्सा लेंगे। स्पेन की टीम में कार्लोस अल्कराज के अलावा हायूमे मुनार, पेद्रो मार्टिनेज और मार्सेल ग्रानोयर्स शामिल हैं। अल्कराज का लक्ष्य स्पेन को 2019 के बाद उसका पहला डेविस कप खिताब दिलाना होगा। इस बीच, विश्व नंबर 3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी पहली बार डेविस कप फाइनल्स में हिस्सा लेंगे। उन्हें जर्मनी की टीम में चुना गया है।

डेविस कप फाइनल-8 ड्रा (सीड नंबर के साथ)

क्वार्टर-फाइनल 1: 1-इटली बनाम ऑस्ट्रिया
क्वार्टर-फाइनल 2: 3-फ्रांस बनाम बेल्जियम
क्वार्टर-फाइनल 3: स्पेन बनाम 4-चेक गणराज्य
क्वार्टर-फाइनल 4: अर्जेंटीना बनाम 2-जर्मनी

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर नकवी का अड़ियल रुख बरकरार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को अब तक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिली है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) प्रमुख मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को लेकर अपना अड़ियल रुख बनाये रखा है और अपने कार्यालय को आदेश दिये हैं कि उनकी अनुमति के बिना इससे किसी को नहीं दिया जा सकता है। नकवी एशिया कप फाइनल के बाद ही ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गये थे। इसके बाद उन्होंने ट्रॉफी को एसीसी के दुबई स्थित मुख्यालय में रख दिया था। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने एशिया कप जीतने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नकवी इसे लेकर एसीसी कार्यालय चले गये थे। नकवी एसीसी के साथ ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। नकवी का कहना है कि एसीसी प्रमुख होने के नाते केवल वही व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी भारतीय टीम या बीसीसीआई को सौंपने के अधिकारी हैं। एशिया कप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। पाक के पहलगाम आतंकी हमले में लिप्त होने के कारण भारतीय खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में पाक खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। वहीं जीत के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्रॉफी नहीं सौंपे जाने को लेकर नकवी की कड़ी आलोचना की थी और ये मामला एसीसी बैठक में भी उठाया था पर नकवी अभी भी इस मामले में अपना रवैया बदलनते नहीं दिखते।

चयनसमिति और खिलाड़ियों के बीच सीधी बातचीत होनी चाहिये : अश्विन

अगरकर के स्पष्ट रवैये की प्रशंसा की

एजेंसी, चेन्नई

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर जानकारी नहीं होने के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बयान को लेकर स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं के बीच बातचीत होनी चाहिये। हाल ही अगरकर ने कहा था कि शमी की फिटनेस स्थिति को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं है जबकि शमी ने कहा था कि वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) से फिट होकर लौटे थे। इसलिए चयनकर्ताओं को फिटनेस की जानकारी स्वयं कैसे देते। शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। अश्विन ने कहा है कि खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं के बीच कोई संदेह नहीं रहे। इसके लिए इनकी बातचीत होनी चाहिये। अगरकर ने शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में नहीं चुने जाने के पीछे फिटनेस को कारण बताया था। वहीं शमी ने कहा था कि इस इस दौरान रणजी ट्रॉफी खेल रहे थे और पूरी तरह से फिट थे। अगरकर ने कहा कि अगर मोहम्मद शमी अगले कुछ महीनों में पूरी तरह से फिट रहे, तो भविष्य में उनके चयन पर विचार होगा। अश्विन ने कहा कि कैसे खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच संवादहीनता से हालात बिगड़ जाते हैं। अश्विन ने कहा, भारतीय क्रिकेट में सीधी बात नहीं होती है। मैं सचमुच चाहता हूं कि इसमें बदलाव किया जाये और ये दोनो ओर से होना चाहिये। अभी अगर कोई सीधी बात कही जाती है, तो वह विवादों में आ ही जाती है। उन्होंने शमी के मामले को लेकर कहा, शमी ने मीडिया से बात की , इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन वो ये सब क्यों बोल रहे हैं? क्योंकि उन्हें सीधी जानकार नहीं मिली। अगर उन्हें इस बात की रुपष्ट जानकारी होती कि उनसे क्या उम्मीदें हैं, तो शमी ऐसा नहीं कहते? एक खिलाड़ी के तौर पर जब भी मुझे स्पष्टता नहीं मिलती थी, तो मैं हमेशा थोड़ा निराश महसूस करता था। अश्विन ने हालात को पेशेवर तरीके से संभालने के लिए अगरकर की भी प्रशंसा की। अश्विन ने कहा, मुझे अगरकर का यह तरीका बहुत पसंद आया कि अगर शमी कुछ कहना चाहेंगे तो मैं फोन करके उनसे बात करूँगा।।

रोहित और कोहली फार्म हासिल करने घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये : आरोन

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में विफल होने के बाद कहा है कि इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलकर अपना फार्म और फिटनेस हासिल करनी चाहिये। आरोन के अनुसार विराट और रोहित को पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से सीखना चाहिये। जिस प्रकार से धोनी ने टेस्ट से संन्यास लेने के बाद भी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेली। वैसा ही इन दोनो को भी करना चाहिये। आरोन ने कहा, " सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी नवंबर में शुरू होती है और फिर विजय हज़ारे ट्रॉफी दिसंबर में। इनके लिए खेल से जुड़े रहने का यही सबसे अच्छा तरीका है। साथ ही उम्मीद जतायी है कि ये दोनों बल्लेबाज़ इस पर ध्यान देंगे। आरोन के अनुसार अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं। ऐसे में इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी है। एकदिवसीय मैच अब काफी कम होते हैं। ऐसे में खेलने का अधिक अवसर नहीं मिलता। गौरतलब है कि धोनी टेस्ट से संन्यास लेने के बाद भी घरेलू क्रिकेट में झारखंड की ओर से खेलते रहे और उसी साल उन्होंने सात विजय हज़ारे ट्रॉफी भी खेली। विराट और रोहित से क्रिकेट बोर्ड ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसके बाद भी इन दोनो दिग्गजों ने केवल एक-कए मैच खेला था। अपने घरेलू मैच में भी ये दोनो विफल रहे थे।

व्यापार

दिवाली और गोवर्धन पूजा पर कई राज्यों में बैंक बंद

नई दिल्ली। 21 अक्टूबर को दिवाली और गोवर्धन पूजा के अवसर पर देश के कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, ओडिशा, मणिपुर, भुवनेश्वर और बेलापुर जैसे स्थानों पर त्योहार को देखते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इन जगहों पर बैंकिंग सेवाएं मंगलवार को उपलब्ध नहीं होंगी। हालांकि अन्य राज्यों और शहरों में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। यदि आप आज किसी जरूरी बैंकिंग कार्य की योजना बना रहे हैं, तो अपने नजदीकी बैंक की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें।

मुहूर्त ट्रेडिंग में शेयर बाजार को मामूली बढ़त, मुनाफावसूली के दबाव में आए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। दिवाली के दिन होने वाली परंपरागत मुहूर्त ट्रेडिंग में घरेलू शेयर बाजार लगातार आठवें साल बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। हालांकि कारोबार शुरू करने के कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय के लिए लाल निशान में भी गिर गए। इसके बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त हासिल करके बंद होने में सफल रहे। मुहूर्त ट्रेडिंग के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आपको बता दें कि 2018 से ही मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार लगातार मजबूती के साथ बंद होता रहा है। मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर को छोड़ कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। मेटल, मीडिया, पावर, टेलीकॉम और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान एनएसई में 2,740 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,127 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 613 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के

साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 121.30 अंक की मजबूती के साथ 84,484.67 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 302.07 अंक की तेजी के साथ 84,665.44 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण मुहूर्त ट्रेडिंग खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 76.97 अंक की कमजोरी के साथ 84,286.40 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 140 अंक की रिकवरी करके 62.97 की बढ़त के साथ 84,426.34 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 58.05 अंक उछल कर 25,901.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 91.20 अंक की बढ़त के साथ 25,934.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 17.35 अंक की कमजोरी के साथ 25,825.80 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे निफ्टी निचले स्तर से 40 अंक से अधिक की रिकवरी करके 25.45 अंक की मजबूती के साथ 25,868.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सिप्ला 1.49 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.37 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.92 प्रतिशत, इंफोसिस 0.79 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा 0.76 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 0.63 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.60 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 0.46 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,30,680 रुपये से लेकर 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज भी 1,19,790 रुपये से लेकर 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,30,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट

सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयंत चौधरी ने फिलीपींस में ज्ञान विनिमय मिशन का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी 20-22 अक्टूबर तक फिलीपींस में एक उच्चस्तरीय ज्ञान आदान-प्रदान मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह कार्यक्रम विश्व बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस मिशन में प्रवासी श्रमिक विभाग (डीएमडब्ल्यू), तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण (टेस्डा), फिलीपींस सांख्यिकी प्राधिकरण (पीएसए) और प्रवासी श्रमिक कल्याण प्रशासन (ओडब्ल्यूडब्ल्यूए) जैसे प्रमुख फिलीपींस संस्थानों के साथ रणनीतिक सहयोग शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य कौशल विकास, श्रम गतिशीलता और डेटा-आधारित नीतिगत ढांचों से संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। इस दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक यह मिशन मानव पूंजी विकास पर सहयोग करने, पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कौशल और उद्यमिता के जरिए न्यायसंगत और सतत विकास के लिए मार्ग बनाने के लिए वैश्विक दक्षिण की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शेयर बाजार में आज दिवाली की छुट्टी, कल भी बलि प्रतिप्रदा के कारण बंद रहेगा बाजार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दिवाली और लक्ष्मी पूजन की छुट्टी रहने वाली है। आज सिर्फ परंपरागत मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए शेयर बाजार दोपहर 1:45 बजे से लेकर 2:45 बजे तक खुलेगा। आज के बाद कल 22 अक्टूबर को शेयर बाजार में दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी होगी। इस तरह घरेलू शेयर बाजार में लगातार दो दिन 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 23 और 24 अक्टूबर को सामान्य कारोबार होगा, जबकि 25 अक्टूबर को शनिवार और 26 अक्टूबर को रविवार के चलते स्टॉक मार्केट बंद रहेंगे। इस तरह इस सप्ताह शेयर बाजार 4 दिन बंद रहेगा। इसका एक अर्थ ये भी है कि इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में कल यानी सोमवार को हुए कारोबार समेत कुल तीन दिन ही सामान्य कारोबार होने वाला है। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आज और कल यानी 21 और 22 अक्टूबर को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट समेत एसएलबी सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर) सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे है। एनएसई में भी इन दोनों

तारीखों पर इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी दिवाली के मौके पर 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। दिवाली के बाद बाकी बचे हुए साल 2025 में शनिवार-रविवार के अलावा शेयर बाजार नवंबर में 5 तारीख को गुरु पूरब की छुट्टी होगी, जबकि 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इन छुट्टियों के अलावा करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में 5 सितंबर को ईद-ए-मिलाद की भी छुट्टी रहेगी।

राजनीति मेरे स्वभाव के अनुरूप नहीं, बिहार चुनाव लड़ने की अटकलों पर खेसारी लाल यादव का बयान

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राज्य की सियासत में न केवल राजनीतिक चेहरों की हलचल तेज हो गई है, बल्कि फिल्मी सितारों की राय और बयानबाजी भी सुर्खियों में है। खासकर भोजपुरी सिनेमा से जुड़े सितारे इन दिनों चर्चा के केंद्र में हैं। इसी बीच, भोजपुरी सुपरस्टार खेसारीलाल यादव ने बिहार की राजनीति को लेकर अहम बयान दिए। उन्होंने न केवल विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की सराहना की, बल्कि प्रशांत किशोर की सोच को भी सराहा। वहीं पवन सिंह के निजी विवाद पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी और समाधान की सलाह दी। खेसारी लाल यादव ने अपने बयान में साफ कहा कि अब वक्त आ गया है जब बिहार को एक बार बदलकर देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब तक बदलाव नहीं आएगा, तब तक राज्य का विकास भी संभव नहीं है। इस बार जनता की सोच में बदलाव आया है और जो नेता लोगों के विश्वास में खरा उतरेगा, वही चुनाव जीत सकता है। उन्होंने तेजस्वी यादव के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि तेजस्वी ने युवाओं के लिए नई संभावनाएं और मौके खोले हैं, जो पहले नहीं दिखते थे। खेसारी का मानना है कि एक मौका हर किसी को मिलना चाहिए और यदि किसी ने अच्छा काम किया है तो उसे फिर से आगे बढ़ने का मौका भी मिलना चाहिए। राजनीति में अपने प्रवेश को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए खेसारी लाल यादव ने साफ किया कि न तो वे खुद चुनाव लड़ना चाहते हैं और न ही उनकी पत्नी चंदा देवी चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं। उन्होंने बताया कि तेजस्वी यादव ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके स्वभाव के अनुरूप नहीं है और वे खुद को चुनावी माहौल में सहज महसूस नहीं करते। अपनी पत्नी को लेकर उन्होंने कहा कि वह भी चुनाव नहीं लड़ना चाहतीं क्योंकि इस समय बच्चे छोटे हैं और परिवार की प्राथमिकता ज्यादा अहम है। पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच चल रहे विवाद पर खेसारी लाल ने कहा कि यह पवन सिंह का व्यक्तिगत मामला है, लेकिन अगर दोनों पक्ष बैठकर बात करें तो किसी भी विवाद का हल निकाला जा सकता है। खेसारी ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब पाकिस्तान और हिंदुस्तान जैसे देशों के बीच के विवाद बैठकर सुलझा सकते हैं, तो व्यक्तिगत विवाद भी बातचीत से सुलझाए जा सकते हैं। उन्होंने पवन सिंह को दुनिया के लिए एक आइकन बताया और कहा कि उन्हें अपने जीवन में हो रहे घटनाक्रमों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी लड़ाई का हल झगड़े से नहीं, समझदारी से निकलता है। प्रशांत किशोर को लेकर पूछे गए सवाल पर खेसारी लाल ने खुलकर कहा कि वह प्रशांत किशोर की सोच और विचारधारा से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि किशोर बिहार को बदलने के लिए जो अभियान चला रहे हैं, वह सराहनीय है और उनका विजन साफ है। खेसारी ने कहा कि बदलाव जीवन का हिस्सा है और बिहार को भी अब बदलकर देखने की जरूरत है।

'लव एंड वॉर' के सेट से लीक हुईं आलिया भट्ट की तस्वीरें

अभिनेत्री आलिया भट्ट, जिन्होंने हाल ही में अपनी फिल्म 'जिगरा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था, अब एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे हैं, और अब फिल्म के सेट से उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के सेट से लीक हुईं इन तस्वीरों में आलिया का रेट्रो अवतार देखने लायक है। इंटरनेट पर वायरल इन फोटोज में अभिनेत्री शिमरी साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने 60 और 70 के दशक की अभिनेत्रियों की तरह जूड़ा बनाया हुआ है, जो उनके लुक को और क्लासिक टच दे रहा है। इसके साथ ही उनकी नोज पिन भी फैंस का ध्यान खींच रही है। तस्वीरें उस वक्त की बताई जा रही हैं जब आलिया अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलकर शूटिंग लोकेशन की ओर जा रही थीं। सोशल मीडिया पर उनके इस स्टाइल की खूब तारीफ हो रही है। कोई उनकी साड़ी की चमक की बात कर रहा है तो कोई उनके हेयरस्टाइल की। आलिया का यह विंटेज लुक उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है और फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, 'लव एंड वॉर' एक भव्य रोमांटिक ड्रामा है, जो साल 1964 में रिलीज हुई राज कपूर, वैजयंतीमाला और राजेंद्र कुमार की क्लासिक फिल्म 'संगम' से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विकी कौशल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। भंसाली की यह फिल्म अपनी भव्यता, संगीत और इमोशनल कहानी के लिए पहले से ही चर्चा में है।

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं। फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग : इशिता दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2 के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मोहित सूरी ने अनीत पड्डा के जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिए दी बधाई

अभिनेत्री अनीत पड्डा मंगलवार को अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्हें निर्देशक मोहित सूरी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर अनीत के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसे निर्देशक ने कैप्शन दिया, जन्मदिन की बधाई हो, मेरी स्टार अनीत पड्डा। तुम्हारी मासूमियत ने न सिर्फ सैयारा को रोशन किया, बल्कि हमारी पूरी टीम के सपनों को नई उड़ान दी। सैयारा की हेरोइन अनीत ने अपना खास दिन अहान पांडे के साथ बिताया, जो फिल्म सैयारा में उनके ऑनस्क्रीन पार्टनर थे।अहान ने इंस्टाग्राम पर कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। एक क्लिक में दोनों कॉन्सर्ट के पास सेल्फी लेते दिखे। लेकिन सबसे ज्यादा हलचल एक छोटे वीडियो से मची, जहां अहान अनीत को एक रिंग पहना रहे हैं, जिससे फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों रिश्ते में हैं। बता दें, अनीत पड्डा ने सलाम वेंकी (2022) से छोटी भूमिका में डेब्यू किया, फिर बिग गर्ल्स डोंट क्राई सीरीज से पहचान बनाई। लेकिन अभिनेत्री को पहचान मोहित सूरी की सैयारा से मिली। यश राज फिल्म्स की इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में अनीत ने वाणी बत्रा का रोल निभाया था, जो एक महत्वाकांक्षी गीतकार होती है और उसे अल्जाइमर्स हो जाता है। वहीं, अहान ने फिल्म में कृष कपूर की भूमिका अदा क थी। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि ओटीटी पर भी रिकॉर्ड बनाया। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है।

700 किलोमीटर चलकर आया फैन, रुक्मिणी वसंत की मुस्कान ने जीता इंटरनेट का दिल!

इंटरनेट पर इस वक्त बस एक ही कहानी छाई है — एक जबरा फैन राजू ने अपनी फेवरेट एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत से मिलने के लिए पूरे 700 किलोमीटर का सफर तय किया! दिल में बस एक ही ख्वाहिश, मोबाइल के लॉकस्क्रीन पर उनकी फोटो और जेब में ढेर सारी हिम्मत लेकर निकला ये फैन आखिरकार अपनी ड्रीम एक्ट्रेस से मिल ही गया — और अब सोशल मीडिया पर बस उसी मुलाकात की चर्चा है। कभी सोचा नहीं था कि ये दिन देखूंगा, राजू ने ट्वीट किया. वो इतनी सादगी से मिलीं, और जब उन्होंने मेरे लॉकस्क्रीन पर अपनी फोटो देखी तो जो रिएक्शन दिया, वो अभी तक दिमाग से नहीं गया. मुलाकात की तस्वीरों में रुक्मिणी को राजू के हाथ से गुलाबी फूल लेते और मुस्कुराते देखा जा सकता है — वही दिल जीत लेने वाली मुस्कान जिसने उनके फैन्स के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना ली है। सोशल मीडिया पर लोग इसे साल का सबसे प्यारा फैन मोमेंट बता रहे हैं, तो कुछ यूजर्स मजाक में कह रहे हैं कि राजू को बेस्ट फैन अवॉर्ड मिलना चाहिए उसकी दिल से की गई मेहनत और 700 किलोमीटर की डेडिकेशन के लिए रुक्मिणी वसंत भले ही अपनी नई फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हों, लेकिन ये मुलाकात साबित कर गई कि असली फैनडम सिर्फ दीवानगी नहीं होता — ये जुड़ाव, अपनापन और एक गुलाबी फूल की कहानी है जो सीधा दिल छू जाती है।

Essay Writing Competition Successfully Held at DAV Public School, CCL Dhori Area

Ranchi: Under the aegis of Central Coalfields Limited, Dhori Area, an essay writing competition was successfully organized at DAV Public School as part of Special Campaign 5.0. The primary objective of this competition was to raise awareness among students about cleanliness, environmental protection, and social responsibility.

Students from various classes participated in the competition and, through their creativity, thoughtfulness, and writing skills, conveyed the message that only by being responsible citizens can we build a safe, clean, and prosperous society. The children not only focused on environmental protection but also inspired others to take steps towards bringing about positive change in society through their essays.

Senior CCL officials and school administration were present on the occasion. They commended the students' efforts and stated that such events are the most effective way to promote positive thinking and social awareness among children. CCL's objective is not limited to industrial development, but also to inculcate moral values and a sense of social responsibility in the younger generation.

During the event, children shared their thoughts and gained experience understanding the importance of environmental protection, cleanliness, and social service. The organizers stated that this competition encourages children's personality development, leadership skills, and creativity, while also guiding them towards becoming sustainable and responsible citizens.

The CCL family described this initiative as an important step under its Corporate Social Responsibility (CSR) and stated that through such programs, the organization is committed to bringing positive change in the community around it.

The event also conveyed the message that only through education, awareness, and youth participation can lasting change be brought about in society, and future generations can become clean, safe, and responsible citizens.

Police Commemoration Day Observed in Jharsuguda

RAJ KUMAR SHARMA

Jharsuguda

Police Commemoration Day was solemnly observed on Tuesday morning at the OSAP Ground in OMP, Jharsuguda, in collaboration with the Jharsuguda Police and OSAP 2nd Battalion on Tuesday. The event paid heartfelt tribute to police personnel who laid down their lives in the line of duty.

Jharsuguda Superintendent of Police (SP) Gundala Reddy Raghavendra, who attended the ceremony as the chief guest, lauded the unmatched sacrifice of police personnel for the safety and integrity of the nation. "The sacrifice of the police for the country is unparalleled. True homage to them lies in respecting the law and living as responsible citizens," he said.

This year, 191 police personnel from across the country were laid their life while performing their duties. Among them were Constable Laxman Majhi of Cuttack Police and Loknath Shabar of the Odisha Auxiliary Police Force, whose bravery was remembered with deep respect during the ceremony.

SP Raghavendra also expressed his condolences to the families, wishing them strength and courage to carry forward their loved ones' legacy.

Senior officers of the OSAP 2nd Battalion, Jharsuguda Police officials, and other dignitaries were present and joined in paying floral tributes to the departed heroes.

The event concluded with the police band playing the national anthem as a mark of honour to the fallen warriors.

A Step Towards a Plastic-Free Society: CCL Magadh-Sanghamitra Area Launches Jute Bag Distribution Campaign

Ranchi: Central Coalfields Limited's Magadh-Sanghamitra Area launched a significant environmental campaign under Special Campaign 5.0. Under this campaign, jute bags were distributed at the local market in Fulbasiya village to raise awareness among villagers about the harmful effects of plastic and encourage them to adopt environmentally friendly alternatives.

CCL representatives present on the occasion stated that this initiative is not only an effective step towards building a plastic-free society but also demonstrates the organization's commitment to sustainable development and a clean environment.

Villagers appreciated the initiative, stating that such campaigns not only increase environmental awareness but also strengthen collective efforts towards cleanliness and greenery.

This campaign conducted by CCL is a commendable initiative towards realizing Prime Minister Narendra Modi's pledge of "Clean India" and "Sustainable Development."

1.25 Lakh Diyas Illuminate Bandhabahal Jagannath Temple on Deepdan Mahotsav

RAJ KUMAR SHARMA

Jharsuguda

A spectacular sight unfolded at the Dinabandhu Madhav Khetra Jagannath Temple in Bandhabahal, Jharsuguda, as 1,25,521 diyas were lit on Sunday evening to mark Deepdan Mahotsav. The entire temple complex and its surroundings shimmered with the glow of thousands of earthen lamps, creating a mesmerising spiritual atmosphere.

The Deep Daan Mahotsav, now in its fifth year, witnessed enthusiastic participation from residents across the district, who also illuminated their homes in celebration. The temple premises were beautifully decorated, and colourful rangolis depicting Lord Jagannath, Lord Balabhadra, Maa Subhadra, Lord Ganesha, Lord Hanuman, Lord Mahadev, and Poorna Kalash added to the grandeur.

Jharsuguda MLA Tankadhar Tripathy, SP Gundala Reddy Raghavendra, MCL CMD Udaya Anant Kawale,MCL's Chief Vigilance Officer Pranab Kumar Patel, and Director (Technical) Sanjay Kumar Jha were among the dignitaries who attended the evening event. Senior MCL officials and community members joined the celebration, offering prayers for peace, happiness, and a pollution-free nation.

Organisers said the festival has grown remarkably over the years—from 5,000 diyas in its first edition to this year's record of 1,25,521. The lighting included contributions of 67,000 diyas from ILBL, 23,000 from the GM Unit, 24,000 from Ib Coal Washery, 11,000 from CWS Ib Valley, and 521 from the Mandir Committee. About 3,000 litres of castor oil were used, and 2,500 volunteers participated in lighting the lamps, with several schools and local organisations supporting the arrangements.

Temple Management President and Lakhanpur Coalfields GM Awadh Kishore Pandey expressed gratitude to all participants and MCL officials for their cooperation. Visitor Rajni Patel from Jharsuguda said, "We witnessed Diwali at Puri Jagannath Temple last year, but the spectacle at Bandhabahal's Jagannath Temple was equally divine."

The radiant illumination of the Dinabandhu Madhav Khetra left devotees spellbound, symbolising light triumphing over darkness.

Beat the MLA instead of committing suicide : Former Maharashtra Minister

AGENCIES

Mumbai: Former Maharashtra minister and MLA Bachchu Kadu incited farmers with an inflammatory statement. Former MLA Bachchu Kadu, head of the Prahar organization, urged farmers to "kill or cut" the MLA instead of committing suicide, sparking controversy. He urged farmers not to commit suicide, but instead to beat or cut the MLA. Following his statement, Shiv Sena leader and minister Sanjay Shirsat advised him to refrain from inciting farmers. The Prahar Janshakti Party leader from Amravati district told farmers that if they want the government to resolve their problems quickly, they should violently target MLAs instead of committing suicide.

Kadu reportedly said, "Why should we commit suicide? Beat or cut the MLA." He further said that farmers should sit naked and urinate in front of the MLA's house. If these things are done, the government will be back on track. After the video of this statement was broadcast, Shiv Sena leader and minister Sanjay Shirsat challenged Kadu to act on his words instead of inciting farmers.

He said that Bacchu Kadu should do this himself. Does he want more crimes registered against farmers? He should control his tongue. Farmers are already in crisis. Does Kadu want them to commit murders? According to some reports, Kadu is already involved in controversies as a professional.

Indians taught a lesson to Turkey and Azerbaijan, who supported Pakistan in Operation Sindoor

AGENCIES

New Delhi : Not only does the military teach a lesson to those who dare to raise their eyes against India, but individual citizens also take revenge at their own level. Indians have also taken revenge on Turkey and Azerbaijan. These two countries had supported Pakistan heavily during Operation Sindoor and turned against India. The situation is such that between May and August 2025, Azerbaijan recorded a 56 percent decline in Indian tourist arrivals, while Turkey saw a similar decline of 33.3 percent. Previously, the number of Indian tourists to both countries had been steadily increasing. In 2024, Azerbaijan received 2.44 lakh Indian tourists, while Turkey received 3.31 lakh. However, the situation changed after Operation Sindoor.

Immediately after Operation Sindoor, Indian travel companies and portals advised against traveling to Turkey and Azerbaijan. In a statement issued on May 14, the companies said, "Indian travelers have expressed strong emotions about this issue. Bookings for Azerbaijan and Turkey have declined by 60 percent in the past week. Cancellations have increased by 250 percent. We have paused promotions and offers for these two destinations in solidarity with our armed forces." Azerbaijan and Turkey's stance in support of Pakistan has not only had a diplomatic impact but has also directly impacted their tourism industries. Public sentiment in India has shifted toward these countries, and as a result, the travel industry has also begun to distance itself. If this situation continues, this decline is likely to deepen in the coming months.

Tourist numbers have nearly halved. Nearly 100,000 Indian tourists visited Azerbaijan in May-August 2024. This number dropped to 44,000 in May-August 2025. In August 2024, the number of Indian tourists decreased to 21,137 and in August 2025 to just 6,032. In the first eight months of 2025, the number of Indians visiting Azerbaijan decreased by 22 percent to 1.25 lakh. Talking about Turkey, around 1.36 lakh Indian tourists had arrived in May-August 2024. Its number decreased to 90,400 in May-August 2025. A total of 1.74 lakh Indian tourists arrived in January-August 2025. A decline of 21 percent was seen as compared to 2024.

Prime Minister Modi mentions Swadeshi, cleanliness, health, and the Ram Temple in his Diwali message

AGENCIES

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi, while extending his greetings to all countrymen on the occasion of Diwali, urged us to light the lamp of harmony, cooperation, and positivity in society and around us. He said, "Diwali also teaches us that when one lamp lights another, its light does not diminish, but rather increases."

In a letter to the countrymen on Diwali, the Prime Minister mentioned the Ram Temple in Ayodhya, Operation Sindoor, the eradication of Naxalism, the GST celebration, and the adoption of Swadeshi. He urged us to respect all languages, maintain cleanliness, prioritize our health, reduce oil use in our food by 10 percent, and adopt yoga. All these efforts will lead us towards a rapidly developed India.

The Prime Minister said that this is the second Diwali after the grand construction of the Ram Temple in Ayodhya. Lord Shri Ram teaches us the principles of religion and gives us the courage to fight injustice. We saw a vivid example of this a few months ago during Operation Sindoor. During Operation Sindoor, India not only protected Dharma but also avenged injustice.

Referring to the progress towards the elimination of Naxalism, he said that for the first time this Diwali, lamps will be lit in many remote districts across the country. Naxalite terrorism has been eradicated from these districts. In recent times, many people have abandoned the path of violence and joined the mainstream of development. This is a major achievement for the country.

At the GST Savings Festival, the Prime Minister said that in a world grappling with crises, India has emerged as a symbol of both stability and sensitivity. The country has also recently initiated next-generation reforms. Lower GST rates were implemented on the first day of Navratri. Citizens are saving thousands of crores of rupees during this savings festival.

Emphasizing the adoption of Swadeshi, the Prime Minister said that in the journey towards a developed and self-reliant India, our primary responsibility as citizens should be to fulfill our duties towards the nation. He said, "Let us adopt 'Swadeshi' (local products) and proudly say 'This is Swadeshi!' Let us promote the spirit of 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat'.

Prime Minister, Home Minister, and many others paid tribute to actor Asrani's demise

AGENCIES

New Delhi: Renowned comedian Govardhan Asrani passed away on Monday evening. He breathed his last at the age of 84. Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah, Leader of the Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi, Delhi BJP President Virendra Sachdeva, former Rajasthan Chief Minister Ashok Gehlot, and numerous film personalities paid heartfelt tributes to the actor.

The Prime Minister wrote on social media, "I am deeply saddened by the passing of Govardhan Asrani. A talented entertainer and a truly versatile artist, who entertained audiences across generations. His contribution to Indian cinema will always be remembered. My condolences to his family and fans."

Home Minister Amit Shah wrote on Instagram, "The passing of actor Asrani is deeply saddening. He contributed to Indian cinema throughout his life and made a place in the hearts of millions by making people laugh. May God give him peace and strength to his family to bear the loss."

Defence Minister Rajnath Singh expressed his condolences to his family, writing on Instagram that he was saddened by the passing of renowned character artist Asrani. A skilled actor and master of comedy, his timing, versatility, and charm brought joy to generations.

Lok Sabha Leader of the Opposition Rahul Gandhi expressed grief over the actor's death. He wrote on Instagram that the news of the passing of Govardhan Asrani, a veteran actor of Indian cinema, is deeply saddening. His acting has brought smiles to people's faces for decades.

Former Chief Minister Ashok Gehlot said that the news of the passing of Govardhan Asrani, a Jaipur resident and renowned for his role in Sholay, is deeply saddening. The many roles he played in his film career will always be remembered. I pray to God to grant peace to the departed soul and strength to his family.

Delhi Chief Minister Rekha Gupta wrote on Instagram that the news of Asrani's passing is deeply saddening. Throughout his illustrious career spanning five decades, he brought laughter to millions of viewers with his unmatched humor and effortless acting. His roles, such as that of a British-era jailer, left an indelible mark on Indian cinema. His passing has caused an irreparable loss to the film industry. Our condolences are with his family and fans in this hour of grief. May his soul rest in peace.

Virendra Sachdeva wrote in an Instagram post, "I am deeply saddened by the passing of the great actor Govardhan Asrani. His amazing versatility and unique comic style brought smiles to people's faces. His acting will always remain immortal in the golden legacy of Indian cinema."

Actor Anupam Kher, paying tribute to Asrani, said that they had spoken just last week and that Asrani was planning to take a masterclass at his acting school. He said, "Asrani was not just a comedian, but also a great teacher. He taught at FTII and nurtured many artists." Kher wrote, "Dear Asrani, thank you for making the world a better place with your personality. We will miss you both on and off screen."

Actor Akshay Kumar wrote in an Instagram post, "I am shocked by the news of Asrani's passing." We met and hugged last week during the shooting of "Haiwaan." His comic timing was impeccable.

Sanae Takaichi becomes Japan's PM, PM Modi congratulates her

AGENCIES

New Delhi : PM Narendra Modi congratulated Japan's new PM Sanae Takaichi on her victory. He said he looks forward to further strengthening the special strategic partnership between the two countries. Sanae Takaichi was elected PM on Tuesday after a crucial election in the Japanese Parliament. This is considered a historic moment as it is the first time a woman has held this position in Japanese politics. Japan's Parliament has two houses, the Upper House and the Lower House. Both houses elected Takaichi with a majority.

She received 125 votes in the Upper House, just one vote short of the required majority. In the Lower House, she received 237 votes, exceeding the required majority. PM Modi congratulated Takaichi on her victory via a post on Instagram, saying, "Sane Takaichi, heartiest congratulations on being elected PM of Japan." I look forward to working closely with you to further strengthen the India-Japan Special Strategic and Global Partnership. Our deepening ties are vital to peace, stability, and prosperity in the Indo-Pacific and beyond.

Sanae Takaichi's political journey is quite interesting. She was previously a TV anchor and, in 1993, became a member of Japan's lower house of parliament as an independent candidate. Since then, she has been actively involved in politics, representing her home district of Nara. In 1996, Takaichi gained political strength by joining Japan's ruling party, the Liberal Democratic Party (LDP). Her first entry into the cabinet came under the leadership of former Prime Minister Shinzo Abe. She was then Minister of Okinawa and Northern Territories Affairs. She later became the first female chair of the LDP's Policy Research Council, a testament to her leadership skills.

Takaichi served as Japan's Minister of Economic Security from 2022 to 2024. Additionally, she is the longest-serving Minister of Internal Affairs. Takaichi has long been an influential voice within the LDP. She was elected LDP leader on Saturday after receiving 185 votes, defeating her rival Shinjiro, who received 156. The election was competitive, as no candidate secured the required majority in the first round. Sanae Takaichi will now have to complete the remainder of former Japanese Prime Minister Shigeru Ishiba's term, which runs until September 2027.

Japan is grappling with problems such as an economic slowdown, rising inflation, and a declining yen. These challenges have increased public pressure, and the Liberal Democratic Party's recent election losses have raised questions about the party's leadership. At this time, the LDP faces a significant responsibility to keep the party united, manage the minority government efficiently, and reassure the public that it can provide stable and effective governance.